



Janhvi Kapoor Masters The...

SHARE

सेंसेक्स : 84,481.81

निफ्टी : 25,815.55

SARAFI

सोना : 12,510

चांदी : 224.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नहीं रहे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम सुतार

NEW DELHI : दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के

अनुपम शिल्पकार राम सुतार का बुधवार देर रात दिल्ली-एनसीआर के नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। 100 वर्षीय सुतार उम्रजनित समस्याओं से जूझ रहे थे। उनकी कालजयी कृति सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी गुजरात में स्थापित की गई है। राम सुतार का जन्म 19 फरवरी 1925 को महाराष्ट्र के धुले जिले के गोंडूर गांव के एक साधारण परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनका झुकाव मूर्तिकला की ओर था।

कैबिनेट की बैठक 23 को लिए जाएंगे अहम निर्णय

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 23

दिसंबर को होगी। प्रोजेक्ट भवन में बैठक अपराह्न तीन बजे से शुरू होगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी समन्वय विभाग ने दी। इस बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाने की संभावना है। जानकारी के अनुसार इस बैठक में पैसा के प्रस्ताव पर भी चर्चा हो सकती है। इसके अलावा कृषि, ऊर्जा, नगर विकास सहित कई विभागों के प्रस्तावों पर भी मुद्दा लाया जा सकता है।

घूस लेते बेंगाबाद के अंचल निरीक्षक व दलाल अरेस्ट

GIRIDIH : धनबाद एटी करेशन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए

बेंगाबाद अंचल के हल्का कर्मचारी सह अंचल निरीक्षक सुरेंद्र कुमार यादव और उनके सहयोगी दलाल मुकेश कुमार को गुरुवार दोपहर 6 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। यह रिश्वत जमीन की दाखिल-खाजिन (म्यूंशन) के बदले ली जा रही थी। कार्रवाई से पूरे अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया। एसीबी की टीम स्थिति हेतु में करीब 10-12 सदस्यों के साथ घेरे दो बजे बेंगाबाद प्रखंड परिसर पहुंची। टीम ने तहसील कचहरी में घुसकर अंचल निरीक्षक और दलाल से करीब एक घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद दोनों को रिश्वत की राशि सहित गिरफ्तार कर धनबाद ले जाया गया।

जेल में बंद छतीसगढ़ के कारोबारी से पूछताछ

RANCHI : गुरुवार को झारखंड

शराब घोटाला केस में एसीबी ने छतीसगढ़ के शराब कारोबारी अनवर देबर से पूछताछ की। कोर्ट की अनुमति के बाद एसीबी की टीम ने रायपुर जेल में बंद अनवर देबर से पूछताछ की। इस पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। अनवर देबर छतीसगढ़ के तत्कालीन भूषण सरकार के कार्यकाल में हुए शराब घोटाला केस में भी आरोपी हैं।

छतीसगढ़ का घोटाला आईएएस अधिकारी अनिल टूटेगा, आबकारी विभाग के एमडी अरुणपति त्रिपाठी और कारोबारी अनवर देबर के अवैध सिंडिकेट के जरिए हुआ।

घने कोहरे की वजह से रांची एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स बाधित, कई कैंसिल

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को सुबह में घना कोहरा और लो विजिबिलिटी यानी कम दृश्यता के कारण रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर विमान सेवाओं पर प्रभाव पड़ा। कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, तो कई लेट हुईं। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से कुछ उड़ानों को रद्द कर दिया गया। कई फ्लाइटें अपने निर्धारित समय से काफी देर से संचालित हुईं। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, सुबह के समय रनवे पर दृश्यता निर्धारित मानकों से नीचे चली गई, जिससे उड़ानों का संचालन प्रभावित हो रहा है। मौसम में सुधार के बाद धीरे-धीरे उड़ान सेवाएं सामान्य होने की उम्मीद है।

सुरक्षा को ध्यान में रखकर तय मानकों से विजिबिलिटी कम होने पर रद्द की गई उड़ानें निर्धारित समय की अपेक्षा बहुत देर से कई उड़ानों का हो सका संचालन



विलंब से संचालित होने वाली उड़ानें

- इडिगो 6ई 7561 (कोलकाता-रांची) : निर्धारित आगमन सुबह 07:10 बजे : वास्तविक आगमन सुबह 08:45 बजे
- इडिगो 6ई 7562 (रांची-कोलकाता) : निर्धारित प्रस्थान सुबह 07:30 बजे : नया प्रस्थान समय सुबह 09:15 बजे
- इडिगो 6ई 6484 (पुणे-रांची) : निर्धारित आगमन सुबह 08:25 बजे : अनुमानित आगमन सुबह 09:00 बजे
- इडिगो 6ई 6799 (रांची-बंगलुरु) : निर्धारित प्रस्थान सुबह 08:55 बजे : नया प्रस्थान समय सुबह 10:00 बजे

तीन रूट पर नहीं उड़ सके विमान

इडिगो 6ई 7674 / 7235 (कोलकाता-रांची-कोलकाता)

इडिगो 6ई 7561 / 7562 (कोलकाता-रांची-कोलकाता)

एयर इंडिया एक्सप्रेस आईएक्स (दिल्ली-रांची-दिल्ली)

विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी को नजरअंदाज कर ध्वनिमत पारित हुआ बिल

विपक्ष के हंगामे के बीच 'वीबी-जी राम जी' विधेयक लोकसभा से पास

NEW DELHI @ PTI :

गुरुवार को विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा से मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक पारित हो गया। विपक्ष की लगातार हो रही नारेबाजी को नजरअंदाज कर ध्वनिमत से इस विधेयक को पास कर दिया गया। लोकसभा में 14 घंटे तक विधेयक पर हुई चर्चा का कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जवाब दिया। इस दौरान विपक्ष बिल के विरोध में जमकर नारेबाजी की। विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और काजग फेंके। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मनरेगा का नाम पहले पहले महात्मा गांधी के नाम पर नहीं रखा गया था। वो तो पहले नरेगा थी। बाद में जब 2009 के चुनाव आए तब चुनाव और वोट के कारण महात्मा गांधी

सदन शुरू होने के पहले विपक्ष ने इस विधेयक के खिलाफ निकाला मार्च

14 घंटे तक हुई चर्चा का कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया जवाब

कृषि मंत्री बोले - चुनावी फायदे के लिए जोड़ा गया था महात्मा गांधी का नाम

बुधवार को देर रात 1:35 बजे तक चली बहस, 98 सांसदों ने लिया हिस्सा

विधेयक को स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजने की विपक्ष की मांग को किया गया खारिज



शिवराज ने प्रियंका गांधी पर किया कटाक्ष

शिवराज सिंह चौहान ने बहस का जवाब देने के दौरान कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के आदर्शों को खत्म किया, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार उन्हें जीवित रखे हुए है। चौहान ने विपक्ष के हंगामे कहा कि अपनी बात कहना और फिर जवाब नहीं सुनना भी हिंसा है। विपक्ष के लोग बापू के आदर्शों के खिलाफ काम कर रहे हैं। कांग्रेस के लोग मनरेगा के नाम

कई हिस्सों में तेजी से गिर रहा तापमान, जनजीवन प्रभावित

झारखंड में हाइ कंपनी के बड़ा टंड ने बढ़ाई परेशानी, रांची का पारा 6 डिग्री पर लुढ़का

RANCHI : झारखंड में हाइ कंपनी के बड़ा टंड ने लोगों की परेशानियों को बढ़ा दिया है।

राज्य के कई हिस्सों में तापमान तेजी से गिर रहा है। सर्द हवाओं के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राजधानी रांची के अलावा छह जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। इन जिलों में रांची, डालटनगंज, बोकारो, खुटी, लोहरदगा, जमशेदपुर और लातेहार शामिल हैं। रांची में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। दिन और रात के तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। दिन के समय तापमान सामान्य के आसपास बना हुआ है, लेकिन रात होते ही न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे दिवंगत का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। राज्य के कई इलाकों में तापमान सामान्य से नीचे ही बना रह सकता है। वार्डबासा में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो राज्य में सबसे अधिक रहा। टंड का सबसे ज्यादा असर गरीब और बेघर लोगों पर देखने को मिल रहा है।

गिग श्रमिक निबंधन और कल्याण विधेयक को गवर्नर ने दी मंजूरी



PHOTON NEWS RANCHI :

आज के डिजिटल दौर में डोर-डोर सामान पहुंचाने वाले श्रमिकों के कल्याण के लिए हेमंत सरकार ने मानसून सत्र में झारखंड प्लेटफॉर्म आधारित गिग श्रमिक (निबंधन और कल्याण) विधेयक 2025 को विधानसभा से पारित कराया था। इसे राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को मंजूरी दे दी। अब गिग श्रमिकों के लिए कल्याण बोर्ड के गठन का रास्ता साफ हो गया है। विधेयक के लागू होने से नियम का उल्लंघन करने वाले एग्रीगेटर को 10 लाख तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। इस बिल के अनुसार, बोर्ड का मुख्यालय रांची में होगा। श्रम विभाग के मंत्री इसके पदेन अध्यक्ष होंगे। इसमें विभागीय सचिव के अलावा पांच अन्य सदस्य होंगे। बोर्ड के सदस्यों का कार्यकाल तीन साल का होगा। बोर्ड के जरिए गिग श्रमिकों का

मानसून सत्र में इस बिल को हेमंत सरकार ने विधानसभा से किया था पारित

अब गिग वर्कर्स के लिए कल्याण बोर्ड के गठन का रास्ता साफ

रांची में होगा बोर्ड का मुख्यालय, श्रम मंत्री होंगे पदेन अध्यक्ष

नियम का उल्लंघन होने पर एग्रीगेटर को 10 लाख तक देना पड़ सकता है जुर्माना

पंजीकरण सुनिश्चित होगा। सर्विस देने वाली कंपनियों या एग्रीगेटर्स का भी पंजीकरण होगा।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जारी की अधिसूचना झारखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस होंगे एमएस सोनक

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान के सेवानिवृत्त होने के बाद मुंबई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एमएस सोनक झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। गुरुवार को कई राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस का तबादला किया गया है और उनके ट्रांसफर की अधिसूचना जारी कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ



जस्टिस की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि हाईकोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस के रिटायर होने के बाद जस्टिस एमएस सोनक की नियुक्ति होगी।

भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन को पीएम मोदी ने किया संबोधित मुक्त व्यापार समझौते से द्विपक्षीय संबंधों में आएगी नई ऊर्जा व विश्वास : प्रधानमंत्री

NEW DELHI @ PTI :

गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीपीए) द्विपक्षीय संबंधों को नया विश्वास एवं ऊर्जा प्रदान करेगा। दोनों देशों में वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। उन्होंने अपने संबोधन में मांडवी से मस्कट तक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री व्यापारिक संबंधों का उल्लेख किया, जो वर्तमान समय में जीवंत वाणिज्यिक आदान-प्रदान की आधारशिला हैं। दोनों देशों के 70 वर्ष पुराने कूटनीतिक संबंध

हर क्षेत्र में खुलेंगे अवसरों के नए द्वार



मिला 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान

ओमान के सुलतान हैसम बिन तारिक ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान के लिए उन्हें विशेष नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाजा। प्रधानमंत्री मोदी को ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान यह सम्मान दिया गया। तीन देशों के अपने दौर के दौरान मोदी जॉर्डन और इंडोनेशिया की यात्रा कर चुके हैं।

सदियों से निर्मित विश्वास और मित्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

न्यू डील घरातल पर उतरने लगा क्रेमलिन-नई दिल्ली के बीच हुए व्यापारिक समझौते का असर

रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग को मिली नई गति

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

इस माह के पहले सप्ताह में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के दौरान कई समझौतों में महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौता भी शामिल रहा। इस समझौते का मुख्य मकसद कई भारतीय उत्पादों पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ के प्रभाव को कम करना रहा। अमेरिका में भारत के कई उत्पादों पर अधिक टैरिफ लगने के कारण यहां के व्यापार संतुलन को नुकसान पहुंचा है। इस समझौते की बड़ी भूमिका रही। समझौता होने के बाद भारत और रूस के बीच व्यापार को नई ऊंचाई तक ले जाने की तैयारी तेज हो गई है। इसका नतीजा यह है कि रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों की मांग को नई गति मिली है। भारतीय वित्त और वाणिज्य मंत्रालय ने रूस को निर्यात बढ़ाने के लक्ष्य से करीब 300 ऐसे उत्पाद विहित किए गए हैं, जिनमें भारतीय कंपनियों के लिए बड़ी संभावनाएं हैं। इंजीनियरिंग सामान, फार्मा, कृषि और केमिकल जैसे क्षेत्रों में इन उत्पादों की रूसी बाजार में भारी मांग है, लेकिन मौजूदा समय में इस मांग को पूर्ण तौर पर नहीं हो पा रही थी। अब धीरे-धीरे उनके लिए दरवाजे खुलने लगे हैं।

अमेरिकी टैरिफ बढ़ने के प्रभाव को घटाने की तरकीब को मिल रही सफलता वैश्विक स्तर पर भारत के व्यापार संतुलन को कायम रखने में मिली मदद

<p>लगातार 300 उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के वास्ते व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा काम</p> <p>फार्मा, कृषि और केमिकल जैसे क्षेत्रों में इंडियन पोइवट्स का बढ़ रहा एक्सपोर्ट</p> <p>पिछले चार वर्षों में रूस से भारत के आयात में दस गुना से भी अधिक का हुआ इजाफा</p>	<p>साल 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है लक्ष्य</p> <p>दोनों देश साल 2030 तक हिस्सेदारी को 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखे हुए हैं। यह भी ध्यान देने की बात है कि पिछले कुछ वर्षों में रूस से भारत का आयात तेजी से बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार, 2020 में जहां रूस से भारत का आयात 5.94 अरब डॉलर था, वहीं 2024 में यह बढ़कर 64.24 अरब डॉलर हो गया।</p>	<p>भारत के निर्यातकों के पास बड़ा अवसर</p> <p>यह उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले तक भारत से इन उत्पादों का रूस को निर्यात केवल 1.7 अरब डॉलर था, जबकि रूस का कुल आयात 37.4 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। अब यह स्थिति धीरे-धीरे बदलने लगी है। यह बड़ा अंतर साफ तौर पर बताता है कि भारतीय निर्यातकों के पास रूस में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का व्यापक अवसर मौजूद है। सरकार का मानना है कि इन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाकर न केवल व्यापार को संतुलित किया जा सकता है, बल्कि रूस के साथ बढ़ते व्यापार धाटो को भी कम किया जा सकता है। इस दृष्टि से काम शुरू हो चुका है और इसमें बेहतर सफलता मिल रही है। यह महत्वपूर्ण है कि फिलहाल भारत और रूस के बीच व्यापार घाटा करीब 59 अरब डॉलर का है। यदि वर्धमान 300 उत्पादों पर फोकस किया जाए तो यह घाटा धीरे-धीरे कम किया जा सकता है।</p>
---	--	---

पेसा लागू नहीं होने से जुड़ी अमानना याचिका पर सुनवाई, हाजिर हुए सचिव

नियमावली कैबिनेट में प्रस्तुत की गई या नहीं, 23 दिसंबर तक दें जवाब : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को पंचायत एक्सटेंशन और शिद्यूल्ड एरियाज एक्ट (पेसा) लागू नहीं होने से जुड़ी अमानना याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार सशरीर उपस्थित रहे। कोर्ट ने उनसे पूछा कि पेसा कानून से संबंधित नियमावली कैबिनेट में प्रस्तुत की गई है या नहीं। इस पर सचिव ने इसका जवाब देने के लिए 23 दिसंबर तक का समय देने का आग्रह किया, जिसमें कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि यदि

झारखण्ड उच्च न्यायालय

सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट में हियरिंग

समन की अहंलना से जुड़े मामले में सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ एमपी/एमएलए कोर्ट से जारी सज्ञान आदेश को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी हेमंत सोरेन की ओर से अधिवक्ता ने कुछ दस्तावेज दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी कोर्ट ने मामले के अगली सुनवाई 15 जनवरी 2026 निर्धारित की। हेमंत सोरेन की ओर से याचिका दाखिल कर एमपी/एमएलए द्वारा मामले में लिया गए सज्ञान को गलत बताते हुए इसे निरस्त करने का आग्रह किया है। बता दें कि हेमंत सोरेन के खिलाफ इंडी ने समन के आदेश का अनुपालन नहीं करने को लेकर अदालत में शिकायतवाचक दर्ज कराया है, जिसमें सुनवाई जारी है।

घाट की नीलामी के बाद अलॉटमेंट पर लगाई गई रोक के आदेश को अगली सुनवाई तक बरकरार रखा गया है।

BRIEF NEWS

गिरिडीह से दो साइबर अपराधी गिरफ्तार



GIRIDIH : गिरिडीह साइबर पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार साइबर अपराधियों में जमुआ थाना इलाके के प्रतापपुर गांवनिवासी रोहित शर्मा और रंजीत यादव शामिल हैं। इनके पास से एक बाइक, दो मोबाइल और आठ सिम कार्ड बरामद किया गया है। साइबर डीएसपी आबिद खान ने गुरुवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसी आधार पर छापेमारी करते हुए पुलिस ने दोनों को दबोचा है। पृष्ठताछ के क्रम अपराधियों ने बताया कि वे दोनों गूगल और फोन पे में कोई भी अनजान नंबर डालकर उस नंबर पर कॉल करते थे। इसके बाद लोगों को झांसे में लेकर उनसे ठगी करने का काम करते थे। साथ ही दोनों अपराधी ऑनलाइन गेम एप के जरिए भी ठगी करने का काम करते रहे हैं।

बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन को डीसी ने किया रवाना



LATEHAR : एनसीसी निदेशालय, बिहार-झारखंड द्वारा एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रांची के तत्वावधान में आयोजित वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन के प्रथम चरण की शुरुआत गुरुवार को हुई। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने जिला खेल स्टेडियम से साइक्लोथॉन को झंडी दिखाकर रवाना किया। मांडर में रात्रि विश्राम के बाद, साइक्लोथॉन 19 दिसंबर को रतु के माध्यम से रांची की ओर अपनी यात्रा प्रारंभ करेगा। कर्नल रविंद्र रावत, कमांडिंग ऑफिसर 12 बिहार एनसीसी बटालियन, एक स्थायी प्रशिक्षक स्टाफ एवं तीन बालिका कैडेट्स सहित छह एनसीसी कैडेट्स के साथ, प्रशासनिक स्टाफ के सक्षम सहयोग से साइक्लोथॉन का नेतृत्व कर रहे हैं। साइक्लोथॉन टीम ने -शौर्य के कदम क्रांति की ओर- थीम के साथ लातेहार से मांडर तक साइकिल यात्रा की, जो भगवान बिरसा मुंडा की विरासत को सम्मान देने तथा फिटनेस, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत को चिह्नित करता है।

मंडल डैम का निर्माण जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य

PALAMU : सत्तर के दशक से अधूरी मंडल डैम परियोजना जुलाई 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए मंडल डैम के विस्थापितों को मुआवजे की पहली किश्त मिलने की उम्मीद जगी है। बताया जा रहा है कि विस्थापितों को मुआवजा राशि की पहली किश्त जल्द मिलने वाली है। कुछ दिनों पहले झारखंड सरकार ने उच्च कोषल नहर परियोजना में मंडल डैम का निर्माण नीलांबर-पीतांबर के नाम से किया जाएगा।

कंटेनर से एक करोड़ की शराब बरामद, चालक हुआ गिरफ्तार

एसपी को मिली गुप्त सूचना पर ढाबे के पास खड़ा ट्रक पकड़ाया

GARHWA : मेराल थाना क्षेत्र में बाना महुआ के पास एनएच-39 के किनारे एक ढाबा में खड़े ट्रक से पुलिस ने एक करोड़ की शराब बरामद की है। गुरुवार को मेराल थाना में प्रेसवार्ता के दौरान डीएसपी चिरंजीव मंडल, इंस्पेक्टर संतोष कुमार तथा थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि यह कार्रवाई एसपी अमन कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। अशु होटल के पास शराब से भरा ट्रक जप्त किया गया। डीएसपी चिरंजीव मंडल के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान लाइन होटल के बगल में एक कंटेनर खड़ा मिला। जब उसके चालक गणपत राम से



प्रकारों को मामले की जानकारी देते डीएसपी चिरंजीव मंडल व अन्य

• फोटोन न्यूज

पूछा गया कि कंटेनर में क्या है, तो उसने बताया कि इसमें चावल भरा है। यही नहीं, उसने चावल का फर्जी पेपर भी पुलिस को दिखाया। संदेह होने पर गाड़ी की तलाशी की गई तो पाया गया कि पूरी गाड़ी अंग्रेजी शराब की पेटियों से भरी

हुई थी। पुलिस ने कंटेनर के चालक गणपत राम को गिरफ्तार कर लिया। वह राजस्थान के बाड़मेर जिला अंतर्गत थाना गुडामालानी का रहने वाला है। डीएसपी चिरंजीव मंडल ने बताया कि गिरफ्तार ड्राइवर

गणपत से मामले को लेकर पृष्ठताछ की जा रही है, ताकि पूरे गिराह को दबोचा जा सके। कंटेनर से शराब की 25,440 बोतलें मिली हैं, जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये है।

राष्ट्रपति 30 को आएंगी गुमला, जतरा कार्यक्रम में होंगी शामिल



GUMLA : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 30 दिसंबर को गुमला आएंगी। वं यहां रायडीह प्रखंड स्थित मंडाली वैरियर बगीचा में आयोजित होने वाले जन संस्कृतिक समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति भवन से इसकी सहमति मिल गई है। दरअसल, यहां आदिवासी शक्ति स्वायत्तशासी विधि निर्माण समिति ने पहले यह कार्यक्रम 5 8 दिसंबर को रखा था। वहीं कार्यक्रम अब 28-29 दिसंबर को होगा। कार्यक्रम को लेकर गुमला स्वायत्तशासी विधि निर्माण समिति, मंडाली के अध्यक्ष शिवशंकर उरांव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें सार्वजनिक सांस्कृतिक कार्यक्रम (जतरा) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। दो दिवसीय कार्यक्रम में 29 दिसंबर को तीन राज्यों छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।

शिक्षक दंपती को लूटने वाला भतीजा सहित दो गिरफ्तार

हैदरनगर के मुगलजान टोले में 20 नवंबर की रात युवक ने अपने 5 साथियों के साथ मिलकर दिया था घटना को अंजाम

AGENCY PALAMU : चाची की लगातार डांट-फटकार और नशेड़ी कहे जाने से परेशान भतीजे ने लूट की योजना बनाकर भतीजे ने अपने 5 साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। यह मामला जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के कुकही के मुगलजान टोले में 20 नवंबर की रात को हुई थी। शिक्षक दंपती मृत्युंजय मेहता और उनकी पत्नी अनिता देवी को बंधक बनाकर मारपीट करते हुए घटना को अंजाम दिया गया था। घटना के 27 दिन की भीतर पुलिस ने इस घटना का उद्भेदन करते हुए शिक्षक दंपति के भतीजे नीरज कुमार (19) और उसके साथी ओमप्रकाश सिंह उर्फ दीपक सिंह उर्फ दीपू (22) को गिरफ्तार किया है। दोनों कुकही गांव के ही रहने वाले हैं। घटना में शामिल तीसरा आरोपी



प्रकारों को मामले की जानकारी देती एसपी रीष्मा रमेशान

विककी कुमार को औरंगाबाद पुलिस ने दो दिसंबर को एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पृष्ठताछ करेगी। पुलिस तीन अन्य अपराधियों को गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। एसपी रीष्मा रमेशान ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि नीरज को उसकी चाची अनिता देवी अक्सर इस्लट करते रहती थीं। नशीले पदार्थ का सेवन करने का आरोप लगाती थीं। घटना के दिन 20

नवंबर को सबके सामने डांट डपट किया था। अक्सर डांट फटकार के कारण नीरज अपने साथी ओमप्रकाश से चाचा-चाची को सबक सिखाने की बात कहता था। 20 नवंबर की घटना से वह ज्यादा आक्रोशित हो गया था और उसने घर में घुसकर मारपीट करने की योजना बनायी। शुरूआत में ओमप्रकाश इसके लिए तैयार नहीं हुआ। ओमप्रकाश का साथी विककी उसके गांव आया था। विककी अपराधिक मामले में

बच्चे की पिटाई का वीडियो वायरल सीएम के निर्देश पर आरोपी गिरफ्तार

HAZARIBAG : जिले के बरही थाना क्षेत्र में एक 11 वर्षीय बच्चे की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को इस पर संज्ञान लेते हुए हजारीबाग पुलिस को कार्रवाई का निर्देश दिया। पुलिस ने बिना देरी किए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी को रस्सी से बांधकर सड़क पर पैदल चलवाते हुए थाना तक लाई। दरअसल, यह घटना बरही थाना क्षेत्र में हुई। क्रिकेट खेलने के दौरान दो बच्चों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान एक बच्चे के पिता आलोक गुप्ता ने दूसरे बच्चे के साथ मारपीट की। इस घटना का वीडियो किसी ने रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में 17 दिसंबर को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया एक्स पर मामले का संज्ञान लिया। उन्होंने हजारीबाग पुलिस को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को तलाश शुरू



वायरल वीडियो का फुटेज

की बरही थाना पुलिस ने एक टीम का गठन कर त्वरित कार्रवाई की। एसडीपीओ बरही अजीत कुमार विमल ने बताया कि पीड़ित बच्चे की मां से आवेदन मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी आलोक गुप्ता को युवाज होटल के पास से गिरफ्तार किया। आलोक गुप्ता बरही थाना क्षेत्र के हरीनगर, गया रोड का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को रोड मार्च भी कराया। पुलिस के अनुसार, इसका उद्देश्य बच्चों के साथ हिंसा और अमानवीय व्यवहार के प्रति सख्त संदेश देना था। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साहिबगंज में हुई योजनाओं की समीक्षा विधानसभा समिति ने जताई कड़ी नाराजगी

जनसरोकार से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराने में अधिकारी फिसड्डी : सरयू राय

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : झारखंड विधानसभा की प्रत्यायुक्त विधान समिति ने जिले में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए दो दिवसीय दौरा किया। बुधवार शाम समिति पहुंची और नए सर्किट हाउस में विश्राम किया। गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ करीब दो घंटे की बैठक हुई। बैठक के बाद समिति के सभापति विधायक सरयू राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिले के पदाधिकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में पूरी तरह असफल साबित हो रहे हैं। सभी विभागों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। कोई भी योजना पूरी नहीं हुई, रंजन संचालित कर रहे थे। सुजन संवाद पहले भी इन तीन निर्देशकों पर अलग-अलग कार्यक्रम कर चुका है। डॉ. विजय शर्मा ने बताया कि आज का कार्यक्रम पिछले वालों से भिन्न है। तीन महादेशों को को-ऑर्डिनेट करने में कई मुश्किलें आईं। समय अलग-अलग होने के कारण जब भारत में शाम होती है, लंदन में कुछ और समय होता है। ऑस्ट्रेलिया में उस समय रात हो चुकी होती है। वहां काफी रात होने के बावजूद अनीता बरार का सृजन संवाद में स्वागत किया गया। तेजेंद्र शर्मा सीधे अपनी ड्यूटी से आकर जुड़ा गए। कोचीन के डाल्टन का भी जुड़े। इसके साथ फेसबुक लाइव से जुड़े दर्शकों-श्रोताओं, मीडिया कार्यक्रम स्ट्रीमथार्ड एवं सुजन संवाद फेसबुक लाइव के माध्यम से हुआ, जो यूट्यूब पर भी दिखेगा। इसे गोरखपुर से अनुराग



परिदशन में प्रकारों को जानकारी देते विधायक सरयू राय

• फोटोन न्यूज

हमेशा कहा जाता है कि अंतिम चरण में है, लेकिन कब पूरा होगा, पता नहीं। **पेयजल और सड़कों की बढ़ती पर सवाल :** सरयू राय ने कहा कि गंगा नदी बगल में बह रही है, फिर भी लोगों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा। 2009 से चल रही शहरी पेयजल योजना आज तक अधर में है। ग्रामीण क्षेत्रों की हालत और

खराब है। नगर परिषद, नगर पंचायत और पीएचडी अधिकारी इस पर चुपकी साधे हैं। सड़क मार्ग से आते समय देखा कि साहिबगंज की सड़कें बदतर हाल में हैं-गड्ढों में सड़क या सड़क में गड्ढे, पता नहीं चलता। **शिक्षा, पेंशन और पर्यावरण पर चिंता :** समिति अध्यक्ष ने बताया कि लोगों को योजनाओं का लाभ

नियमित नहीं मिल रहा। मनरेगा में नए लोगों को जोड़ा जाए। पेंशन योजनाओं का लाभ सही नहीं पहुंच रहा। शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है-शिक्षकों की कमी से छात्र खुद स्कूल संभाल रहे हैं। छात्रवृत्ति नहीं मिलने से हंगामा हो रहा, इसकी शिकायत विधानसभा में की जाएगी। वन अधिकार कानून को मजबूत करने की जरूरत है। राजमहल की पहाड़ियों पर पेड़ कटाई और अवैध गतिविधियां जारी हैं। अगर नहीं रोका गया तो पर्यावरण संकट आएगा। राजमहल पहाड़ी को धरोहर के रूप में संरक्षित करना चाहिए समिति की यह समीक्षा जिले में विकास कार्यों की सुस्ती को उजागर करती है। अधिकारियों को जल्द सुधार की उम्मीद है।

वृद्ध ने की खुदकुशी जांच में जुटी पुलिस

CHAIBASA : जिले के तांतनगर ओपी क्षेत्र अंतर्गत दारा गांव के देवरीसाई टोला में वृद्ध ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान दुर्गा गंगराई (60) के रूप में हुई है। यह घटना गुरुवार तड़के सुबह की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार दुर्गा गंगराई ने अपने घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत के पास एक पेड़ में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई। परिजन और ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। मृतक के पुत्र गुरु चरण गंगराई ने बताया कि बुधवार रात परिवार के सभी सदस्य एक साथ खाना खाकर सोए थे। गुरुवार सुबह वह जन्दी उठकर शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। लौटने के बाद उन्हें इस घटना की जानकारी मिली। इसके बाद आनन-फानन में गांव के मुंडा और ग्रामीणों की मदद से तांतनगर ओपी पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। इसके बाद जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।

14 की उम्र में परिवार से बिछड़ी सिसिलिया 61 की होकर मिली

केरल के अनाथ आश्रम में थी, विधायक की पहल से हुई वापसी

AGENCY KHUNTI : जिले के रनिया प्रखंड के डिंबुकुल गांव निवासी सिसिलिया गुड्डिया का अपने परिवार से 61 वर्षों बाद मिलन आयु के घटना के रूप में सामने आया है। बताया जाता है कि सिसिलिया गुड्डिया मात्र 14 वर्ष की आयु में किसी कारणवश अपने परिवार से बिछड़कर केरल पहुंच गई थीं, जहां उन्होंने अपने जीवन का एक लंबा और महत्वपूर्ण कालखंड एक अनाथ आश्रम में बिताया। समय बीतने के साथ परिवार ने उनसे मिलने की उम्मीद लगभग छोड़ दी थी। इसी बीच अचानक यह जानकारी परिवार को मिली कि सिसिलिया गुड्डिया केरल के एक



परिजनों से धिरी सिसिलिया गुड्डिया

अनाथ आश्रम में रह रही हैं। इस सूचना के बाद परिजनों ने पूरे मामले से तोरपा के विधायक सुदीप गुड्डिया को अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक ने त्वरित संज्ञान लिया और सिसिलिया गुड्डिया को सुरक्षित रूप से घर वापस लाने

और उन्हें उनके परिजनों से मिलाने के लिए सार्थक पहल की। इस दौरान परिवार को आर्थिक सहयोग भी दिया गया। विधायक की सक्रिय भूमिका और प्रयासों के परिणामस्वरूप 61 वर्ष की उम्र में सिसिलिया गुड्डिया अपने परिवार से पुनः मिल सकीं।

आयोजन साहित्य, सिनेमा व कला को समर्पित संस्था सृजन संवाद के 157वें शताब्दी समारोह में जुड़े तीन महादेशों के वक्ता

ऋत्त्विक घटक, राजकपूर व गुरुदत्त की फिल्मों पर हुई बात

PHOTON NEWS JSR : साहित्य, सिनेमा एवं कला संस्था 'सृजन संवाद' ने 16 दिसंबर को शाम छह बजे तीन महादेशों के वक्ताओं ने ऋत्त्विक घटक, राजकपूर व गुरुदत्त की फिल्मों पर बात की। अवसर था तीन सिने-निर्देशकों के शताब्दी समारोह का। कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया से अनीता बरार, कोचीन से डाल्टन एवं लंदन से तेजेंद्र शर्मा ने गुरुदत्त, ऋत्त्विक घटक एवं राजकपूर पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में वक्ताओं का परिचय ऊधमपुर से शाइनी शर्मा ने दिया। कार्यक्रम करीम सिटी कॉलेज के मासकॉम विभाग तथा क्रिटिक सर्किल ऑफ इंडिया के सहयोग से हुआ। संचालन डॉ. विजय शर्मा का रहा। कार्यक्रम स्ट्रीमथार्ड एवं सुजन संवाद फेसबुक लाइव के माध्यम से हुआ, जो यूट्यूब पर भी दिखेगा। इसे गोरखपुर से अनुराग



Tejinder Sharma MBE

निर्देशकीय सूझबूझ व कौशल को विस्तार से बताया। उनकी फिल्म के गाने कहानी को आगे बढ़ाते हैं। गुरुदत्त के फ्रेम, उनकी फिल्मों के गीत की चर्चा करते उन्होंने बताया, गुरुदत्त अपनी फिल्मों में किरदारों के मनोवैज्ञानिक हालात, कैमरा, रोशनी-छाया द्वारा दर्शक को एक अलग दुनिया में ले जाते हैं। वे कविता जैसी कहानी को बिना आज की तकनीक सुविधाओं के बिना विजुअल्स को काफी इन्वेंटिव तरीके से दिखाते हैं।

काम करने वाली शाइनी शर्मा ने वक्ताओं का परिचय दिया। **गाने बढ़ाते थे गुरुदत्त की कहानी :** कई भाषा-साहित्य की जानकार शाइनी शर्मा ने कहा कि पुरस्कृत डॉक्यूमेंट्री बनाने वाली, लेखन को अपना जुनून मानने वाली अनीता बरार के लिखे नाटक सिडनी में मंचित हुए हैं। कम्यूनिटी एम्बेसडर अनीता बरार ने गुरुदत्त पर अपनी बात रखी। अनीता बरार ने गुरुदत्त की दो फिल्मों 'बाजी' एवं 'प्यास-1' के माध्यम से गुरुदत्त की

ऋत्त्विक घटक की स्वर्णरेखा थी खास

किस्टरफर डाल्टन नेशनल फिल्म अवार्ड जुरी मेम्बर, फिल्म क्रिटिक तथा म्यूजिक जर्नलिस्ट जर्नल ऑफ इंडियन फिल्म सिनेमा के संपादक, सिनेमा सीसाइटी ऑफ इंडिया के संस्थापक हैं, वे कई विश्वविद्यालय में सिनेमा के लेक्चर के लिए आमंत्रित किए जाते हैं। उनकी 'रिलेटिविटी थ्योरी ऑफ इंडियन सिनेमा' की पांडुलिपि तैयार है। कई सिनेमा समारोह के मानक पदों पर रहें डाल्टन का परिचय देते हुए मिसेज शर्मा ने उन्हें ऋत्त्विक घटक पर बोलने के लिए बुलाया। डाल्टन ने ऋत्त्विक घटक की 'स्वर्णरेखा' को जैसा समझा उसे सबसे साझा किया। घटक विस्थापन को कभी भूल न सके। उनके मनोविज्ञान को देखते हुए उन्हें अपने आदर्श में लिपटा हुआ, अपने खोल में समाया हुआ कहा जा सकता है। वे नैस्टाल्जिया से कभी बाहर नहीं आए। इसी कारण वे नाम और नाम से सदा दूर रहने का प्रयास करते थे। जीविनय घटक अपनी भावनाओं एवं आदर्शों के गुलाम थे। कम्यूनिज्म शक्ति का खेल है जिसकी कालज समानता की बात वास्तविकता में न होगी और न ही है। अच्छा-बुरा दो अलग चीजें नहीं हैं। यह निर्देशक अपने पात्रों से अपनी बातें निकालता है। डाल्टन ने प्रश्न किया, 'स्वर्णरेखा' में कौन प्रोटागनिस्ट है? यह फिल्म घटक को दिखाती है।

इनकी उपस्थिति रही उल्लेखनीय

वक्ताओं ने प्रश्नों के उत्तर दिए। करीम सिटी कॉलेज के मासकॉम की विभागाध्यक्ष, और इरिलिश-हिन्दी दोनों भाषा में लिखने वाली डॉ. नेहा तिवारी ने वक्तव्यों को समेट हुए सबका धन्यवाद किया। फेसबुक लाइव के माध्यम से जमशेदपुर से साहित्य कला फाउंडेशन की न्यासी डॉ. क्षमा त्रिपाठी, शिक्षिका वीणा कुमारी, यायावरी बाया भोजपुरी फेम के वैभव मणि त्रिपाठी, दिल्ली से रक्षा गीता, अशीष कुमार सिंह, नीलिमा काराडिया, सुभमा देवी, पुणे से सिने-इतिहासकार मनमोहन चव्वा, बैंगलुरु से प्रकाश अनघा मारीया आदि की सहभागिता रही। इनकी टिप्पणियों एवं प्रश्नों से कार्यक्रम और अधिक सफल हुआ। नए साल की गोरी मैथिली भाषा के कार्यक्रम से होगी, इस घोषणा के साथ समारोह समाप्त हुआ।

केंदुआडीह : नाइट्रोजन फिलिंग में जुटे वैज्ञानिक

सैसिबल व सैसिटिव फिल्मों बनाते थे राजकपूर

तीसरे वक्ता का परिचय देते हुए शाइनी शर्मा ने उन्हें राजकपूर पर बोलने के लिए आमंत्रित किया। पुर्ववाई के संपादक, प्रसिद्ध कहानीकार, अभिनेता, कवि, मेम्बर ऑफ दि ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर तेजेंद्र शर्मा ने राजकपूर की 'श्री 420' पर कहा कि दर्शक राज कपूर की फिल्म देखने टिकट खरीद कर जाते हैं। जबकि ऐसे निर्देशक भी हुए हैं, जिनकी फिल्मों में ऐसे देने पर भी सामान्य दर्शक नहीं देखना चाहेगा। उनकी फिल्म देख कर गरीब होने की इच्छा होती है, ना कि गरीबों से घृणा। फिल्म के गानों, कहानी पर उन्होंने निर्देशक की विशेषताओं को रेखांकित किया। राजकपूर सैसिबल और सैसिटिव फिल्म बनाते थे, इसीलिए दर्शक उनकी फिल्मों से कनेक्ट हो पाता था। तेजेंद्र शर्मा ने एक गजल सुना कर समारोह में समां बांध दिया।

DHANBAD : केंदुआडीह क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी गैस रिसाव की समस्या प्रशासन और वैज्ञानिक टीम के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है। गैस रिसाव के कारण आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल रहा, वहीं एहतियात के तौर पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई और प्रभावित क्षेत्र पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न तकनीकी उपाय अपनाए जा रहे हैं और विशेषज्ञों की टीम लगातार मौके पर डटी हुई है। इसी कड़ी में पीएमआरसी की टीम द्वारा नाइट्रोजन इंजेक्शन की प्रक्रिया लगातार जारी है। पीएमआरसी के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रो. डीसी पाणिग्राही ने बताया कि नाइट्रोजन इंजेक्शन से पहले बोरेहोल की पूरी प्रक्रिया अपनाई गई। पहले 6 इंच का बोरेहोल किया गया, इसके बाद 3 इंच का बोरेहोल कर रियिंग की गई, फिर नाइट्रोजन इंजेक्शन शुरू किया गया। पूरी प्रक्रिया के दौरान गैस कंट्रोल की विजन मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि यह अटकल किया जा सके कि गैस पर कितना नियंत्रण हो रहा है। उन्होंने कहा कि नियंत्रण की गति अंदर की स्थिति पर निर्भर करती है, क्योंकि अंदर की वास्तविक स्थिति प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देती। अनुमान के आधार पर आकलन किया जा रहा है कि यदि अंदर कोई बड़ी दिक्कत नहीं हुई तो स्थिति जल्द सामान्य हो सकती है, अन्यथा इसमें समय लग सकता है।

नए साल के जश्न की तैयारियों के बीच पुलिस-प्रशासन ने अभी से बढ़ाई सतर्कता

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची सहित अन्य जिलों में नए साल के स्वागत की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। कई क्लबों, होटलों और दूसरी जगहों पर नए साल के जश्न के लिए इंजाम किए जा रहे हैं। इस बीच पुलिस प्रशासन ने इसे लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। नए साल के जश्न के लिए खास सावधानियां बरती जा रही हैं। गोवा में आग लगने की घटना के बाद पुलिस, उत्पाद विभाग और जिला प्रशासन सभी पहलू से ही हाई अलर्ट पर हैं। जानकारी के अनुसार, क्लब, रेस्टोरेंट और बार में नए साल के जश्न को लेकर बड़े और व्यापक प्लान बनाए गए हैं। किसी क्लब ने म्यूजिक और डीजे इवेंट प्लान किए हैं, तो किसी क्लब में इंटरनेशनल और देशी कलाकारों का परफॉर्मिंग होगा। ऐसे इवेंट में बहुत भीड़ होती है, और हादसों का खतरा हमेशा बना रहता है। गोवा के नाइटक्लब में आग लगने की घटना के बाद, नए साल के जश्न को लेकर सभी हाई अलर्ट पर हैं।

हाल ही में गोवा के नाइटक्लब में आग लगने की घटना के बाद सावधानियों पर खास ध्यान बार, रेस्टोरेंट व क्लबों में होने वाले इवेंट में सेफ्टी गाइडलाइंस का सख्ती से करना होगा पालन

100 से अधिक लाइसेंसी बार और रेस्टोरेंट

झारखंड सरकार ने भी पुलिस और प्रशासन को निर्देश दिया है कि बार, रेस्टोरेंट और क्लब में होने वाले इवेंट में सेफ्टी गाइडलाइंस का सख्ती से पालन किया जाए। उत्पाद विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, रांची शहर में 100 से ज्यादा लाइसेंसी बार और रेस्टोरेंट हैं। इनमें से अधिकांश बार और रेस्टोरेंट वेस हैं, जो रूफटॉप है या कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में स्थित हैं। रांची में लगभग एक दर्जन के करीब नाइटक्लब भी हैं, जिन्हें डिस्को क्लब कहा जाता है। ये डिस्को क्लब रांची के बड़े मॉल में हैं। इसके अलावा, एक दर्जन से ज्यादा क्लब और लगभग आधे दर्जन से ज्यादा ऐसे स्वतंत्र स्थान हैं, जहां नए साल का जश्न बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।



कार्यक्रम के पहले जमा करना होगा सेफ्टी प्लान

गोवा के नाइटक्लब में हुए अग्निकांड के बाद, राजधानी रांची में भी बार, रेस्टोरेंट, डिस्को और क्लब में पड़ताल शुरू हो गई है। इन सब दौरान लगभग दो दर्जन बार और रेस्टोरेंट ऐसे पाए गए हैं, जहां इमरजेंसी की स्थिति में सिर्फ एक ही एजिजेंट है। इन बार और रेस्टोरेंट को जिला प्रशासन ने चिन्हित किया है। रांची में लगभग आधे दर्जन क्लबों में काफी स्पेस है और इसलिए उनमें अलग-अलग एंटी और एजिजेंट पॉइंट हैं। बड़े मॉल में मौजूद बार और रेस्टोरेंट में इमरजेंसी के दौरान स्थिति गंभीर हो सकती है। नए साल से पहले, ऐसे सभी प्रतिष्ठानों को जो इवेंट आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, उन्हें अपने इवेंट के लिए परमिशन लेने के लिए पुलिस को एक पूरा सेफ्टी प्लान जमा करना होगा। गोवा हादसे के बाद सिर्फ नए साल के जश्न को लेकर ही बार और रेस्टोरेंट की जांच नहीं की जा रही है, बल्कि आम दिनों में भी बार और रेस्टोरेंट का संचालन कैसे किया जाता है, इसकी जांच शुरू की गई है।

बार संचालन के लिए ब्लूप्रिंट अनिवार्य

किसी भी बार या फिर रेस्टोरेंट के संचालन के लिए प्रस्तावित स्थल पर एक ब्लूप्रिंट होना अनिवार्य होता है। इसकी पूरी जानकारी जिला प्रशासन के पास उपलब्ध करवाया जाता है, जिसमें बार और रेस्टोरेंट के संचालन का स्वरूप क्या होगा, कितने काउंटर होंगे, इसमें लोगों का बैठने के लिए टेबल कैसे होंगे, फायर सेफ्टी, फिरेन की संरचना से लेकर हर तरह के सुरक्षा मानकों की पूरी जानकारी दी जाती है। उत्पाद विभाग की टीम की ओर से पूर्व में की गई जांच में बात सामने आई है कि कई बार, लाउज और रेस्तरां के संचालन में जो अनुमति ब्लूप्रिंट है, उसका पालन नहीं करते हैं, जो हादसे का एक प्रमुख कारण बन सकते हैं। नए साल के जश्न के दौरान भीड़ सबसे बड़ी समस्या होती है। हादसे भी इसी वजह से होते हैं। यही वजह है कि रांची पुलिस सबसे पहले भीड़ मैनेजमेंट को लेकर ध्यान दे रही है।

पुलिस ने पब्लिक से की अपील

- बहुत ज्यादा भीड़ माइ वाले जगहों पर जाने से बचें।
- आतिशबाजी का प्रयोग खुले स्थान पर ही करें।
- झड़विंग के समय सीट बेल्ट पहनें।
- नशे की हालत में वाहन ना चलाएं।
- हेलमेट पहन कर दो पहिया वाहन चलाएं।
- ट्रिपल राइडिंग न करें, ओवरटेक से बचें।
- पिकनिक स्थलों पर बस्ते सावधानी
- धूमपान व शराब का सेवन सार्वजनिक स्थानों पर वर्जित रहे।
- अभिभावक और पिकनिक ऑर्गेनाइजर अपने बच्चों पर विशेष नजर रखें।
- वाहनों को उचित स्थानों पर पार्क करें। डबल लॉक जरूर लगाएं।
- अपने सामानों का ध्यान रखें, खिना निगरानी इधर-उधर न छोड़ें।
- पिकनिक स्पॉटों पर ऊंची आवाज में गाना न बजाएं अन्यथा कार्रवाई की जा सकती है।
- पिकनिक स्पॉट के पास गहरे पानी में न जाएं। लाइफ जैकेट जरूर पहनें।
- अनावश्यक रूप से सुनसान जगहों पर न जाएं।

अनदेखी : खस्ताहाल भवनों में मरीजों को भर्ती नहीं करने का दिया गया था आदेश जर्जर बिल्डिंग पर प्रबंधन का ध्यान नहीं भगवान भरोसे चल रही रिम्स की व्यवस्था

VIVEK SHARMA @ RANCHI : झारखंड का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल रिम्स इन दिनों कुव्यवस्थाओं की मार झेल रहा है। व्यवस्था सुधारने के बजाय खराब होती जा रही है। इलाज की आस लेकर आने वाले हजारों मरीजों के लिए रिम्स की हालत चिंता का विषय बनती जा रही है। जर्जर भवन, बदहाल सफाई व्यवस्था, दवा की कमी और हेल्प डेस्क से जुड़ी व्यवस्था के ठप होने से अस्पताल पर सवाल खड़े हो रहे हैं। रिम्स परिसर की मेन बिल्डिंग के कई भवन बेहद जर्जर हालत में हैं। दीवारों में दरारें, छत से झड़ता प्लास्टर और जगह-जगह पानी का रिसाव आम बात हो गई है। प्रबंधन की ओर से पहले ही खस्ताहाल भवनों में मरीजों को भर्ती नहीं करने का आदेश दिया गया था, बावजूद इसके, मुख्य भवन में लगभग एक हजार मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इसमें

<p>भवन के रिनोवेशन को लेकर भी विभाग दे चुका है मंजूरी</p>	<p>मेन बिल्डिंग में लगभग एक हजार मरीज का चल रहा इलाज</p>	<p>जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल जैसी घटना का यहाँ भी मंडरा रहा खतरा</p>	<p>हेल्प डेस्क से नहीं मिल रही रोगियों को मदद</p>	<p>ओपीडी की डिस्पेंसरी में दवाओं की कमी</p>
---	--	---	---	---

स्वास्थ्य विभाग ने मरम्मत के लिए दे दी है स्वीकृति

स्वास्थ्य विभाग ने रिनोवेशन और मरम्मत को लेकर पहले ही मंजूरी दे दी है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम की रफ्तार बेहद धीमी है। सवाल यह उठता है कि जब भवनों की हालत खराब है तो फिर मरम्मत कार्य में देरी क्यों हो रही है। मरीज और उनके परिजन हर दिन डर के साये में इलाज कराने को मजबूर हैं।

रोगियों की सहायता के लिए कोई नहीं, सफाई में नई एजेंसी फेल

अस्पताल में मरीजों की मदद के लिए बनाए गए 'मे आइ हेल्प यू' डेस्क की स्थिति भी चिंताजनक है। कई बार यहां मदद के लिए कोई कर्मी मौजूद नहीं रहता, जिससे दूर-दराज से आए मरीज और उनके परिजन भटकते नजर आते हैं। इलाज, वार्ड, जांच या डॉक्टरों से संबंधित जानकारी के अभाव में मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सफाई व्यवस्था भी एजेंसी के भरोसे छोड़ दी गई है, लेकिन उसका असर जमीन पर नजर नहीं आता। कई बाँसों और गलियारों में मंदी, बदबू और कचरे के ढेर देखे जा सकते हैं। इसके संक्रमण फैलने का खतरा लगातार बना रहता है, खासकर कमजोर मरीजों और बुजुर्गों के लिए ये परेशानी का सबब बन सकता है।

दवाओं की उपलब्धता बड़ी समस्या

दवाओं की उपलब्धता भी रिम्स की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। प्रबंधन मुदा उपलब्ध कराने का दवा करता है। लेकिन, ओपीडी की डिस्पेंसरी में मरीजों को गिनती की दवा ही मिल पा रही है। जबकि, नोटिस बोर्ड पर 50 से अधिक दवाओं के नाम लिखे हैं। लेकिन, सबके सामने एनए यानी 'नॉट अवेलेबल' लिखा है। ऐसे में मरीजों को दवा बाहर से खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह स्थिति और भी मुश्किलें खड़ी कर रही है।

दवाओं की उपलब्धता बड़ी समस्या

दवाओं की उपलब्धता भी रिम्स की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। प्रबंधन मुदा उपलब्ध कराने का दवा करता है। लेकिन, ओपीडी की डिस्पेंसरी में मरीजों को गिनती की दवा ही मिल पा रही है। जबकि, नोटिस बोर्ड पर 50 से अधिक दवाओं के नाम लिखे हैं। लेकिन, सबके सामने एनए यानी 'नॉट अवेलेबल' लिखा है। ऐसे में मरीजों को दवा बाहर से खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह स्थिति और भी मुश्किलें खड़ी कर रही है।

मास्टरमाइंड की तलाश में छापेमारी कर रही पुलिस कटहल मोड़ में सीमेंट कारोबारी को गोली मारने वाले मुख्य अपराधी को दबोचा गया

PHOTON NEWS RANCHI : रांची पुलिस को कटहल मोड़ के पास सीमेंट कारोबारी राधेश्याम साहू पर जानलेवा हमला करने वाले मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घटना में शामिल मुख्य अपराधियों में से एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। चंदन नामक युवक की गिरफ्तारी रांची से हुई है। जानकारी के अनुसार, रांची एसएसपी राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी। जिसके आधार पर दवावली ओपी प्रभारी के नेतृत्व में बनी पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की और गोलीबारी की वारदात में प्रत्यक्ष तौर पर शामिल चंदन को घर



दबोचा गया। गिरफ्तार अपराधी चंदन से की निशानदेही पर पुलिस इस पूरी घटना का मास्टरमाइंड और इसमें शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। माना जा रहा है कि रांची पुलिस जल्द ही पूरे मामले का विस्तृत खुलासा कर सकती है। यह घटना

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, देर रात चलाया गया सघन जांच अभियान आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन पर जब्त किया सात लाख का गांजा, तीन तस्कर भी अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और फ्लाईंग टीम ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। ऑपरेशन नार्कोस के तहत चलाए गए विशेष जांच अभियान में रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने 14 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब सात लाख रुपये बताई जा रही है। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर देर रात आरपीएफ पोस्ट रांची और फ्लाईंग टीम द्वारा रांची रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में सघन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान ट्रेन संख्या 15027 के रांची रेलवे स्टेशन



के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर आगमन के समय कोच संख्या एस-3 की जांच की गई। जांच के दौरान तीन संदिग्ध बैग पाए गए, जिनके पास दो पुरुष और एक महिला बैठे हुए थे। आरपीएफ द्वारा पूछताछ करने पर तीनों व्यक्तियों ने बैग अपने होने की बात स्वीकार की, लेकिन बैग में रखे सामान के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। आगे की पूछताछ

सुविधा यातायात को सुव्यवस्थित करने में मिलेगी मदद, जाम से मिलेगा छुटकारा आवागमन के लिए वरदान साबित होगा करमटोली-साइंस सिटी फ्लाईओवर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी में हर दिन गाड़ियों की संख्या बढ़ रही है। सड़कों की चौड़ाई सीमित है, जिसकी वजह से गाड़ियां सरकती रहती हैं। राजधानी रांची के करमटोली से साइंस सिटी तक गाड़ियां रंगती रहती हैं। रिंग रोड बनने के बाद से इस रोड पर ट्रैफिक बोज़ बढ़ा है। इससे राजधानी रांची में करमटोली से साइंस सिटी (चिरौंदी) तक एक 3.216 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण की योजना है। यह परियोजना करमटोली को साइंस सिटी होते हुए चिरौंदी चौक को जोड़ेगी, जिसमें मोरहाबादी तक 516 मीटर का एक आवश्यक लिंक भी शामिल है। इसका मुख्य उद्देश्य अल्बर्ट चौक, दिव्यानक चौक, साइंस सिटी और चिरौंदी चौक जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले चौराहों पर व्यापक ट्रैफिक लोड की समस्या का स्थायी समाधान प्रदान करना है। परियोजना के पूर्ण होने पर, रामगढ़ और हजारीबाग की ओर से आने-जाने वाले शहरी यातायात को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही यह रिंग रोड एनएच-20 से भी बेहतर संपर्क सुनिश्चित करेगा, जिससे शहरी यातायात प्रबंधन में व्यापक सुधार होगा।

आबादी में वृद्धि होने की वजह से लगातार सड़कों पर बढ़ रहा वाहनों का दबाव रोड की चौड़ाई जरूरत के मुताबिक कम होने के कारण सरकती रहती है गाड़ियां



परियोजनाओं में अरगोडा चौक से कटहल मोड़ होते हुए चारू टोली तक 1.75 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड फ्लाईओवर और करमटोली चौक से मोरहाबादी, साइंस सिटी होते हुए चिरौंदी तक 3.21 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर शामिल है। इन परियोजनाओं से शहर के मध्य, दक्षिणी और उत्तरी हिस्सों में यातायात सुगम होगा, रोजाना हजारों वाहन चालकों

परियोजना को सीएम हेमंत ने दी है स्वीकृति

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिससे निकट भविष्य में रांची के नगरिकों को सुगम और निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होने की आशा है। इस संबंध में इसी साल सितंबर माह में विभाग द्वारा तैयार प्रोजेक्शन को देखने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अरगोडा चौक से कटहल मोड़ और करम टोली चौक से साइंस सिटी फ्लाईओवर निर्माण के लिए डीपीआर बनाने के लिए आगे की कार्य योजना को मूर्त रूप देने का निर्देश दिया था। बला दे कि पिछले कुछ महीनों में राजधानी रांची को सिरम टोली से मेहलौ, कोकर से बहूबाजार और राठ रोड पर प्लाईओवर बनने से बहुत हद तक ट्रैफिक लोड कम करने में मदद मिली है।

परियोजना को सीएम हेमंत ने दी है स्वीकृति

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी है, जिससे निकट भविष्य में रांची के नगरिकों को सुगम और निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होने की आशा है। इस संबंध में इसी साल सितंबर माह में विभाग द्वारा तैयार प्रोजेक्शन को देखने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अरगोडा चौक से कटहल मोड़ और करम टोली चौक से साइंस सिटी फ्लाईओवर निर्माण के लिए डीपीआर बनाने के लिए आगे की कार्य योजना को मूर्त रूप देने का निर्देश दिया था। बला दे कि पिछले कुछ महीनों में राजधानी रांची को सिरम टोली से मेहलौ, कोकर से बहूबाजार और राठ रोड पर प्लाईओवर बनने से बहुत हद तक ट्रैफिक लोड कम करने में मदद मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को दिया नियुक्ति पत्र, बोले सेवा का अवसर देना हमारी जिम्मेदारी



10 हजार नियुक्ति की घोषणा

स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह विहार नहीं, झारखंड है। यहां सुशासन, सर्वेक्षण प्रशासन और भाईचारा है। उन्होंने हाल की एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि महिला अपमान की मानसिकता से झारखंड सरकार का कोई संबंध नहीं है। साथ ही कहा कि बीते 11 महीनों में राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा और दशा में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले तीन वर्षों में सभी मेडिकल कॉलेज पूरी तरह क्रियाशील होंगे और करीब 10 हजार नई नियुक्तियां की जाएगी।



रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में मदद करते हैं नींबू के पत्ते

नींबू के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू के पौधे में पाया जाने वाला विटामिन पी आपके शरीर में रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है। साथ ही नींबू के पत्तों को एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

और बढ़ने से रोकता है। ऐसे यदि आपको बार-बार किडनी में स्टोन हो जाता है तो यह आपके लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है।

माइग्रेन के दर्द से मिलेगी राहत

एक अध्ययन के अनुसार, नींबू के पत्ते माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, नींबू की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके माइग्रेन की समस्या को सुधारने का काम करता है। एक्सपर्ट माइग्रेन और मानसिक रोगों से राहत पाने के लिए नींबू के पत्तों को सूखने की सलाह देते हैं।



घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

मोटापा ना सिर्फ वॉडी शेप बिगाड़ता है बल्कि कई बीमारियां को भी ज्योता देता है। मोटापे को कम करने और बॉडी को टोंड बनाने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ में शरीर में लचीलापन और एनर्जी बढ़ती है। अगर आप जिम नहीं भी जा पाती तो घर पर ही कुछ एक्सरसाइज करें। चलिए आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं जिन्हें आप घर पर आसानी से कर भी सकते हैं और इससे कैलोरी भी बर्न तेजी से बर्न होगी। वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज -

स्वेट एक्सरसाइज

स्वेट की मदद से भी आप मोटापे को कम कर सकते हैं। सही तरीके से स्वेट करना काफी फायदेमंद होता है। शरीर के निचले भाग से वजन कम करने के लिए यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। यह बॉडीबिल्डर और एथलीट के बीच काफी पॉपुलर है।

हाई इंटेन्सिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेन्सिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे आप कम समय में ज्यादा वजन कम कर सकते हैं। इससे शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता बढ़ जाती है। कई घंटों जिम में पसीना बहाने से अच्छा यह एक्सरसाइज 20 मिनट के लिए करना ज्यादा फायदेमंद है।

जुंबा डांस एक्सरसाइज

अगर आप ज्यादा भार वाली एक्सरसाइज नहीं करना चाहते तो जुंबा डांस सबसे बेहतर है। यह आपकी पूरी बॉडी पर वर्क करती है। एंजॉय करने के साथ इससे आप वजन भी कम कर सकते हैं। यह तनाव कम करता है और शरीर में एनर्जी बढ़ाता है। हाई इंटेन्सिटी मूवमेंट की वजह से वजन जल्दी कम होता है।

पावर योगा

पावर योगा काफी असरदार है। यह ट्रेडिशनल योगा के मुकाबले जल्दी वजन कम करने में मदद करता है। इसमें ज्यादा मुश्किल योगासन होते हैं जो जल्दी-जल्दी किए जाते हैं इसलिए यह बेस्ट है।

साइकिलिंग

साइकिलिंग भी वजन कम करने का आसान और अच्छा ऑप्शन है। इससे आप काफी कैलोरी बर्न कर सकते हैं। रोजाना सुबह कम से कम लगातार आधा घंटा साइकिलिंग जरूर करें, आप पहले पहले 15 मिनट से शुरू आत कर सकते हैं।



क्या है के-पॉप डाइट के फायदे

के-पॉप डाइट के फायदे

- कोरियन डाइट में फाइबर की अधिकता होने से पेट भरा हुआ लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। कैलोरीज का सेवन कम करने की वजह से वजन कम करने में मदद मिलती है।
- हल्का खाने से आपको कब्ज या पेट दर्द जैसी समस्या नहीं होती। इसमें हल्का खाना होता है जिससे पेट को आराम मिलता है।
- इस डाइट में प्रोटीन ज्यादा लिया जाता है। जो बालों की ग्रोथ के लिए अच्छा माना जाता है। कोरियन डाइट लेने से आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जिससे बाल लंबे और घने बनते हैं।
- इस डाइट में आप तली हुई चीजें, फास्ट फूड या तेल का इस्तेमाल नहीं करते जिसके चलते चर्करे पर मूलांशों की समस्या से निजात मिलता है।

नींबू के फायदे तो आपने बहुत सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं इसकी पत्तियां भी किसी औषधी से कम नहीं होती हैं। नींबू के पत्ते का उपयोग आप कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए और इसे कंट्रोल करने के लिए कर सकते हैं। पर कई लोगों को ऐसा लगता है कि नींबू के पत्ते कड़वा होता है और किसी काम का नहीं होता। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि इन पत्तों को खाने या इनके जूस ही इन्हें केवल सूख लेने से भी कई तरह के फायदे होत हैं।

नींबू के पत्तों का सेवन कैसे करें ?

नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे चबाकर खाने से बचना चाहिए। इसका सेवन आप चाय में मिलाकर, जूस के रूप में कर सकते हैं। नींबू के पत्तों में एंटीवायरल, एंटी ऑक्सीडेंट, एल्कलॉइड, टैनिन, फ्लेवोनॉइड और फेनॉलिक तत्व शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इसके अलावा इसमें एंथेल्मिंटिक, एंटी-फ्लूटोलेस, एंटीमाइक्रोबियल, एंटी-कैंसर, एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव भी पाया जाता है।

किडनी में नहीं बनने देता स्टोन

एनबीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नींबू के पत्ते में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड किडनी में स्टोन को बनने

सोने की समस्या को करता है खत्म

रिसर्च के अनुसार, यदि आपको रात में नींद नहीं आती है, अनिद्रा की समस्या का शिकार हैं, तो नींबू के पत्ते आपके लिए दवा का काम कर सकते हैं। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड और अल्कलॉइड नींद से जुड़ी समस्या को दूर करने का काम करता है। ऐसे में नींबू के पत्तियों से बनाए गए तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

वजन रहता है कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो नींबू के पत्ते आपकी इस परेशानी को खत्म कर सकता है। माना जाता है कि नींबू के पत्ते से बने जूस में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो वजन घटाने में कारगर साबित हो सकता है। नींबू के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी को पीएं।

पेट के कीड़ों को मारता है

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, नींबू की पत्तियों में एंथेल्मिंटिक गुण होता है तो पेट के कीड़ों से छुटकारा दिलाने का काम करता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का उपयोग पेट के कीड़ों को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। आप नींबू के पत्तों का रस और शहद को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।



फिट और स्लिम रहने की चाह हर व्यक्ति की होती है, लेकिन आजकल का बिजी लाइफस्टाइल, खान-पान से जुड़ी बुरी आदतें और वर्कआउट की कमी के चलते यह सपना बहुत कम ही लोगों का पूरा हो पाता है। ऐसे में कई बार लोग अपने बड़े हुए वजन से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना ही बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से शरीर कमजोर होकर कई रोगों का घर बनने लग जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो कोरियन वेट लॉस डाइट आपकी मदद कर सकती है। दुनिया भर में लोग कोरियाई ब्यूटी टिप्स और उनके डाइट प्लान के दिवाने हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या होती है यह कोरियन 'के-पॉप डाइट' और क्या है इसके फायदे।

कोरियन डाइट प्लान के नियम

- कोरियन वेट लॉस डाइट प्लान में तय सीमा में कैलोरी लेने की सलाह नहीं दी जाती है। इस डाइट में व्यक्ति अपनी मर्जी से कैलोरी ले सकता है। इस डाइट प्लान में व्यंजनों, स्प और सब्जियों के ज्यादा से ज्यादा सेवन की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट प्लान के साथ ज्यादा से ज्यादा योग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट को फॉलो करने वाले लोग दिन में 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद भी जरूर लें।

नींद की कमी से होता है थायरॉइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। इसे पढ़ने के बाद आपको अंदाजा होगा कि कितना कुछ था जो आप अपने बारे में नहीं जानती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता है कि 70% महिलाओं को थायरॉइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरुषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोन्स के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं एक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती हैं। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लिडिंग है

डिसमिनोरिया का संकेत पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बढ़ाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो यह डिसमिनोरिया का संकेत हो सकता है। यह घुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा

होती है नींद की जरूरत महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

लालमिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर पाया जा सकता है काबू



आजकल के ज्यादातर लोगों में सबसे गंभीर बीमारी हार्ट अटैक सामने आ रही है। अगर देखा जाए तो इस बीमारी की कोई उम्र सीमा नहीं है। यह बीमारी हमारे जीवनशैली यानी हमारे लाइफस्टाइल की वजह से होती है।

तनाव इस बीमारी की मुख्य वजह है। इस बीमारी का शिकार लोगों का ईलाज में लाखों रुपए लग जाते हैं। वहीं इस बीमारी का ईलाज आप 60 सेकंड में घर में भी कर सकते हैं वो भी मिर्च से। जी हाँ, मिर्च ऐसी

चीज है अगर खाने में ना हो खाना ही बेरखाद लगता है। और अगर यह खाने में ज्यादा हो जाए तो भी खाने वाले का बुरा हाल। अब बताते हैं कि लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर केवल 60 सेकंड में काबू पाया जा सकता है। दरअसल एक मशहूर डॉक्टर जॉन क्रिस्टोफर का कहना है कि, मैंने आज तक जितने भी हार्ट अटैक मरीजों के घर गया हूँ उनमें से कोई भी मरा नहीं है। मैं उन्हें लाल मिर्च की चाय पिलाता हूँ (एक कप गर्म पानी में एक चम्मच लाल मिर्च) और वह मिंटो में अपने पैरो पर खड़े हो जाते हैं।

विकसित देशों के सम्पन्न नागरिक भारत में बसने के बारे में कर रहे हैं गम्भीर विचार



प्रहलाद सबनानी

भारत की तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था, भारत में तुलनात्मक रूप से सस्ती दरों पर विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता, अति सस्ती दरों पर सेवा भावना के साथ उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं भारत की महान संस्कृति के साथ साथ साकार अवसर अमेरिका सहित विकसित देशों के नागरिकों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। आज भारत का फलता फूलता तकनीकी उद्योग उच्च स्तर की तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है जो किसी भी तरह विकसित देशों में उपलब्ध कराई जा रही तकनीकी सुविधाओं से कम नहीं है।

वैश्विक पटल पर अचानक परिस्थितियां बहुत तेजी के साथ बदलती हुई दिखाई दे रही हैं। अभी तक कुशल युवा भारतीय अपना सपना साकार करने के उद्देश्य से अमेरिका में रोजगार के अवसर तलाशने के लिए जाते रहे हैं। परंतु, अब कुछ अलग प्रकार का माहौल बनता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिका सहित अन्य कई विकसित देशों में रहन सहन (जीवन निर्वाहन) के खर्चें असहनीय स्तर पर पहुंच गए हैं क्योंकि मुद्रा स्फीति की समस्या इन देशों में लम्बे समय से चल रही है, और, इन देशों द्वारा इस संदर्भ में अथक प्रयास करने के बावजूद, इसका हल नहीं निकल पा रहा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत ही भयावह स्थिति में पहुंच गई है। विकसित देशों में किसी भी नागरिक को स्वास्थ्य इशॉरेंस की सुविधा यदि उपलब्ध नहीं है तो उसके लिए इलाज करना असम्भव सा ही है। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत इन देशों में इतनी बढ़ चुकी है कि आम नागरिक के लिए यहां अपना इलाज करना सम्भव ही नहीं है। अमेरिका से तो युवाओं के साथ साथ सेवानिवृत्त नागरिक भी अब भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। अमेरिका के न्यूयॉर्क, टेक्सास, वाशिंगटन, लासअंजेलिस, सिलिकन वैली, आदि शहरों से इंजीनियर, सज्जक (क्रोएटर), युवा उद्यम, बुजुर्ग नागरिक, आदि निकलकर भारत के मुंबई, पुणे, गोवा, हैदराबाद, बेंगलूर, केरल, पॉइंडिचेरी, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश आदि शहरों/राज्यों में आकर भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं।

भारत की तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था, भारत में तुलनात्मक रूप से सस्ती दरों पर विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता, अति सस्ती दरों पर सेवा भावना के साथ उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता एवं भारत की महान संस्कृति के साथ साथ साकार अवसर अमेरिका सहित विकसित देशों के नागरिकों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं। आज भारत का फलता फूलता तकनीकी उद्योग उच्च स्तर की तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है जो किसी भी तरह विकसित देशों में उपलब्ध कराई जा रहा है। तकनीकी सुविधाओं से कम नहीं है। भारत में नागरिकों को मानसिक शांति उपलब्ध है क्योंकि भारतीय नागरिक, सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं। जबकि विकसित देशों के नागरिकों में मानसिक शांति का पूर्णतः अभाव है। विकसित देशों के नागरिक पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण करते हैं जिसके चलते संयुक्त परिवारों का पूर्णतः अभाव है। इन देशों में पश्चिमी संस्कृति का अनुसरण करते हुए परिवारों में बच्चे 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही वे अपना अलग घर बसा लेते हैं और माता पिता अकेले रह जाते हैं। जिससे, माता पिता अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं और इनकी देखभाल के लिए सरकार को व्यवस्था करनी होती है। इसके ठीक



विपरीत भारतीय संस्कृति नागरिकों को आपस में जोड़ती है एवं संयुक्त परिवार भारतीय समाज की विशेषता है। बुजुर्ग नागरिकों को अपने संयुक्त परिवार में ही रहना होता है। अतः भारत में बुजुर्गों की देखभाल के लिए सरकार को अलग से कोई व्यवस्था नहीं करनी होती है। हाल ही के वर्षों में अमेरिकी नागरिकों द्वारा भारत के लिए वीजा प्राप्त करने वालों की संख्या वर्ष 2021 के बाद से दुगुनी हो गई है। अमेरिकी नागरिक अब भारत में शांति की तलाश में आ रहे हैं। अमेरिका सहित विकसित देशों में अधिकतम नागरिकों को मानसिक बीमारियों ने घेर रखा है। इन मानसिक बीमारियों से मुक्ति पाने के उद्देश्य से कई विदेशी नागरिक तो भारत के हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड जैसे राज्यों के हिमालय क्षेत्र में बस्ते जा रहे हैं। उन्हें वहां पर आध्यात्म का सुख प्राप्त हो रहा है। भारत की तेजी से बढ़ रही डिजिटल अर्थव्यवस्था से भी अमेरिका का पढ़ा लिखा वर्ग आकर्षित हो रहा है, क्योंकि उन्हें अमेरिका जैसी ही उच्चस्तरीय सुविधाएं भारत में भी उपलब्ध हो रही हैं। भारत का स्टार्टअप इको सिस्टम भी भारत में नित नए नवाचार उपलब्ध करा रहा है इससे अमेरिका में पूर्व से ही सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को भी भारत में रोजगार के नए अवसर दिखाई दे रहे हैं। साथ ही, भारत में प्रतिभाजन इंजीनियरों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है जिससे अमेरिका की कई कम्पनियां अब अपने तकनीकी कार्य को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं। कई अमेरिकी कम्पनियां अब यह महसूस करने लगी हैं कि भारत में कम खर्चों में अधिक उत्पादकता मिल सकती है, क्योंकि भारत में उत्पादों की लागतें एवं कार्यबल की लागतें बहुत कम हैं, जिससे तुलनात्मक रूप से इन कम्पनियों की

लाभप्रदता में सुधार दिखाई दे रहा है। अमेरिका में उत्पादों की लागतें बहुत ऊंचे स्तर पर पहुंच चुकी हैं, जो कम्पनियों की लाभप्रदता को विपरीत रूप से प्रभावित कर रही है। और फिर, भारतीय महानगरों में अमेरिकी महानगरों की तुलना में बेहतर एवं टक्कर की सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारत में विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार भी उपलब्ध है जिससे उपभोक्ता वस्तुओं के क्षेत्र में उत्पादन करने वाली विश्व की लगभग समस्त बड़ी कंपनियां अब भारत में अपनी विनिर्माण इकाइयों की स्थापना करने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रही हैं। ये बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में सस्ती उत्पादन लागत पर उत्पादों का निर्माण कर भारत में ही इन उत्पादों को बेच सकती हैं क्योंकि स्थानीय स्तर पर ही इन उत्पादों के लिए विशाल बाजार उपलब्ध है। अन्य कई कम्पनियां तो भारत में स्थापित विनिर्माण इकाइयों में उत्पादों का निर्माण कर अन्य देशों को निर्यात भी करने लगी हैं। भारत में आधुनिकतम तकनीकी उपलब्ध है, रहन सहन की लागतें बहुत कम हैं, युवा एवं प्रतिभावान कार्यबल सस्ती दरों पर उपलब्ध है, भारत में मुद्रा स्फीति की दर सबसे कम है, उत्पादों का बड़ा बाजार उपलब्ध है, इन उपलब्धियों की चलते अब विदेशी निवेशक भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अमेरिका सहित विकसित देशों में आज मुद्रा स्फीति की समस्या विकराल रूप धारण किए हुए है एवं इसका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं इससे इन देशों में पेंशन पाने वाले नागरिक इन देशों में रहन सहन की उच्च लागत को वहन नहीं कर पा रहे हैं। जबकि भारत में इन देशों के नागरिकों का गुजारा बहुत आसानी से हो सकता है। साथ ही, भारत में हाल ही के समय में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धि में अकल्पनीय सुधार हुआ है। भारत में ही अब विश्व स्तरीय

स्वास्थ्य सेवाएं तुलनात्मक रूप से बहुत ही सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं। अन्य देशों की तुलना में केवल 25/30 प्रतिशत खर्च पर भारत में अत्याधुनिक तकनीकी आधारित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अतः आज न केवल विकसित देशों बल्कि अरब देशों से भी नागरिक भारत में अपना इलाज कराने के लिए बहुत बड़ी संख्या में आने लगे हैं।

भारतीय संस्कृति भी विदेशी नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करती हुई दिखाई दे रही है। मन की शांति तो भारत के आध्यात्म में अंतर्निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना, 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' एवं 'सर्वे भवतु सुखिनः' जैसी भावना तो केवल और केवल भारत में ही पाई जाती है। भारत में योगा एवं आयुर्वेदिक जैसी सुविधाएं भी स्वास्थ्य को ठीक बनाए रखने में सहयोग करते हुए दिखाई दे रही हैं। पश्चिम के केवल 'मैं' के भाव से भी नागरिक अब ऊब चुके हैं एवं वहां पर छिन्न-भिन्न हुए सामाजिक ताने-बाने से भी बहुत परेशान हैं अतः वे आत्मिक सुख की तलाश में भारत के सामाजिक ताने बाने में रचना बसना चाह रहे हैं। अमेरिका एवं अन्य देशों के नागरिक महाकुम्भ के समय लाखों की संख्या में भारत में प्रयागराज में पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के उद्देश्य से आए थे, यहां का धार्मिक माहौल देखकर ये लोग अब भारत में बसने के बारे में गम्भीरता से विचार कर रहे हैं। विकसित देशों की तुलना में भारत में उन्हें आत्मिक शांति प्राप्त होती हुई दिखाई दे रहे हैं। आज भारत पूरे मनोयोग एवं आत्म विश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ा है।

भारत में समाज बहुत लचीला है एवं अन्य देशों से भारत आ रहे नागरिकों का स्वागत करता हुआ दिखाई दे रहा है। अतः भारत में उनका हार्दिक स्वागत हो रहा है तथा भारत में इनकी स्वीकार्यता बढ़ रही है। इस प्रकार इन विदेशी नागरिकों को भारत में स्थापित होने में किसी भी प्रकार की परेशानी दिखाई नहीं दे रही है। भारतीय समाज उन्हें न केवल स्वीकार रहा है बल्कि समस्त प्रकार की सुविधाएं एवं सहयोग भी उपलब्ध करा रहा है। भारत में बुजुर्गों को दिए जाने वाले आदर सत्कार से भी अमेरिका का बुजुर्ग नागरिक अत्यधिक प्रभावित है। अमेरिका में इस प्रकार का माहौल उन्हें नहीं मिलता है। वहां तो बुजुर्गों को सामान्यतः उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है तथा इन बुजुर्गों की देखरेख सरकार को करनी होती है। आज अमेरिका में लगभग 6 लाख बुजुर्ग खुले में, पार्कों में, अपना जीवन जीने को मजबूर हैं। संयुक्त परिवार तो केवल भारत में सम्भव है अमेरिका में तो संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं। भारत के केरल, गोवा, पॉइंडिचेरी, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्य अमेरिका में सेवानिवृत्त हुए नागरिकों के लिए किसी स्वर्ग से कम सिद्ध नहीं हो रहे हैं।

संपादकीय

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूढ़ कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक चारवाहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाइवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मृत्यु हुई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूँ असमय काल-कवलित होना बेहद दुःखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर निश्चयता के साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया। ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कर्मभोग दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है।

चिंतन-मनन

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया। ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कर्मभोग दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है।



योगेश कुमार गोयल

काकोरी कांड: आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय...

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि को आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माना जाता है। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।



निर्मल रानी

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारतवर्ष में दुनिया की सबसे जटिल समझौते वाली चुनौती प्रक्रिया को अपनाते व इसे पूरा कराने को लेकर निर्यात केन्द्रिय चुनाव आयोग की पीठ पूरी दुनिया थपथपाया करती थी व दुनिया के विभिन्न देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल व चुनाव विशेषज्ञ जिस भारतीय चुनाव संचालन को देखने व समझने के लिये आए थे उन दिनों विपक्षी दलों के अति गंभीर आरोपों से जूझ रहा है। चुनाव आयोग व इस तरह के कई अन्य केन्द्रीय संस्थानों पर सत्ता का पक्षपात करने के आरोप तो पहले ही लगते रहे हैं। परन्तु वर्तमान चुनाव आयोग जिसतरह सत्ता को फायदा पहुंचाने वाले नए नए चुनावी नियम बना रहा है, विपक्ष की प्रमाण सहित दी जाने वाली शिकयतों की अनुसूची कर रहा है, सत्ता द्वारा चुनाव आचार संहिता की

स्वतंत्र भारत के इतिहास में चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा पर सबसे बड़ा संकट

ध्वजवाँ उड़ाने के बावजूद आँखें मूढ़े बैठा रहता है, और अब एस आई आर के बहाने कथित तौर पर जहाँ करोड़ों फर्जी मतों को जोड़ने की कोशिश की जा रही है वहीं संभावित रूप से विपक्ष की ओर जाने वाले मतों को चिन्हित कर उन्हें किसी न किसी बहाने से मतदाता सूची से काटने का काम किया जा रहा है। यानी स्पष्ट रूप से लोकतंत्र में लोक के मताधिकार पर डाका डाला जा रहा है। वैसे तो पूरा विपक्ष ही चुनाव आयोग को केवल संदेह नहीं बल्कि सत्ता से मिलकर संविधान के साथ विश्वासघात किये जाने की दृष्टि से देख रहा है। लोक सभा व राज्य सभा के सर्वोच्च सदन में चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। परन्तु नेता विपक्ष राहुल गांधी ने तो चुनाव आयोग द्वारा की ओर करायी जाने वाली धांधली पर तो बाकायदा शोध कर डाला है। और वे अपने इस चुनाव धांधली सम्बन्धी शोध परिणाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदर्शित करने से लेकर जनता जनार्दन के बीच सड़कों व गलियों तक पहुंच रहे हैं। इस संबंध वे अब तक 4 प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके हैं। इस सचूत पेश कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे अगस्त-सितंबर 2025 के बीच बिहार में 16 दिनों के 1-300 किमी लंबी वोटर अधिकांश यात्रा भी रफ्तक के विरुद्ध निकाल चुके हैं। इसके अलावा 200 से अधिक सांसदों व विधायकों के साथ वे 11 अगस्त 2025 को दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त मुख्यालय तक एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन रुपी पैदल

मार्च भी कर चुके हैं। एक ओर तो राहुल चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराये गये डेटा के अनुसार ही आयोग द्वारा बरती गयी अनियमितताओं संबंधी साक्ष्य पेश करते हैं तो दूसरी ओर चुनाव आयोग कभी इन आरोपों को बेवुनियाद बता कर अपना पल्ला झाड़ लेता है तो कभी उल्टे राहुल से ही शपथ-पत्र मांगने लगता है। परन्तु लगता है कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी ने तो गोया चुनाव आयोग को पूरी तरह बेनकाब करने का संकल्प ही कर लिया है। गत 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस ने एक विशाल रैली आयोजित की। वोट चोर, गद्दी छोड़ के शीर्षक से किये गये इस आयोजन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने देशभर से लाखों कार्यकर्ता जुटाये। इस रैली का भी मुख्य उद्देश्य हरियाणा, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में हाल के विधानसभा चुनावों में कथित वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोप लगाना था। इस विशाल रैली में भी कांग्रेस ने भाजपा और चुनाव आयोग पर मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाते हुए लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। इस तरह की किसी रैली में यह पहला मौका था जब कि सीधे तौर पर सबसे तीखा हथला मुखा चुनाव आयुक्त और उसके दो आयुक्तों पर बोला गया। सांसद प्रियंका गाँधी ने एक बार और राहुल गांधी ने तो दो बार अपने भाषण में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू

और विवेक जोशी का नाम लेकर उनपर सीधे निशाना साधा। इन नेताओं ने उनका नाम लेते हुये आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है, वोट चोरी को संरक्षण दे रहा है तथा आयोग निष्पक्ष नहीं है। वे लोग नहीं भूलें कि वे देश के चुनाव आयोग के चेरे हैं, नरेंद्र मोदी के नहीं राहुल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव आयुक्तों को कानूनी सुरक्षा (इम्युनिटी) देने वाला कानून बदला है, ताकि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके। कांग्रेस सत्ता में आने पर इस कानून को बदलेगी और आयुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। यहाँ भी राहुल ने दोहराया कि चुनाव आयोग असत्य के साथ खड़ा नजर आ रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे हरियाणा में चुनाव चोरी हुआ, किस तरह कर्नाटक में लाखों वोट डिलीट हुए और महाराष्ट्र में फर्जी वोट जोड़े गए परन्तु चुनाव आयोग ने कोई जवाब नहीं दिया। यहाँ भी राहुल ने चुनावी धांधलियों के कई और उदाहरण पेश किये। यहाँ भी उन्होंने बल्कि राहुल गांधी द्वारा देश भर से चुनाव आयोग के विरुद्ध लगभग 6 करोड़ हस्ताक्षर कराए गए हैं। यह अभियान कथित वोट चोरों के आरोपों के खिलाफ चलाया गया था, और इन हस्ताक्षरों को राष्ट्रपति को सौंपने की योजना है। इन 6 करोड़ हस्ताक्षरों को भी 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली के दौरान प्रदर्शित किया गया।

Crucial bites for toothless city administrators

Quality of urban life is a subject of eternal relevance. Sadly, it has also become a holy cow. No one dares to slaughter it, but no one seriously feeds it either. Parliamentary committee reports indicate that the 'hardware' of urban India—metros, housing complexes, sewage plants—is being built at an unprecedented pace. Yet the use of this infrastructure and ultimately the quality of citizens' lives, depends on the 'software' of governance. As city dwellers in Maharashtra prepare to vote in several municipal corporation elections, it is pertinent to reflect on a long list of issues crying out for attention. Here are six fundamental concerns that merit wider public discourse, consensus-building and—most importantly—honest political will. Ideally, these issues should dominate discussions as competing parties seek a popular mandate. The list begins with linking all state and central grants to the performance of municipal bodies. Urban local bodies spend substantial funds received from higher governments, but owing to corruption and mismanagement, overall improvements in the quality of urban life remain elusive. The 15th Finance Commission made a significant attempt to reform municipal finance by tying grants more closely to performance outcomes than in the past.

One critical new metric proposed is the maintenance of 'squatter-free public areas'. Expanding this to include the proportion of encroachment-free pavements would help create a quantifiable index. Equally important is penalising non-performing corporations that allow slums or illegal shops to mushroom on streets. Such disincentives would push urban bodies to perform better. A major reason for pervasive corruption in urban bodies is that mayors and elected representatives are left with little real decision-making power. Despite the 74th Constitutional Amendment of 1992, devolution of authority to urban local bodies has remained incomplete and largely cosmetic. Ironically, the official with power—the municipal commissioner—is not directly accountable to citizens, while the official with accountability—the mayor—lacks authority. Consequently, constitutionally mandated institutions of local self-government continue to be weakened. Excessive concentration of power in state governments has made local governance fragile and unresponsive. The prevailing 'strong commissioner-weak mayor' model reduces the mayor to a ceremonial figurehead. This imbalance cascades downward: councillors, left without authority, often resort to exploiting their nuisance value, leading to the accumulation of ill-gotten wealth and emboldening black-money operators in politics. Land is the most finite and fiercely contested resource in urban India. The existence of so-called 'vacant land' in urban agglomerations presents a dual challenge—it is both a wasted asset that could host public infrastructure and highly vulnerable to encroachment, eventually spawning unserviceable squatter settlements. Addressing this requires a dedicated institutional mechanism: a commissionerate for vacant lands. While the impact of the Maharashtra Vacant Lands (Prohibition of Unauthorised Occupation and Summary Eviction) Act, 1975 needs reassessment, the July 2024 establishment of the Hyderabad Disaster Response and Asset Protection Agency (HYDRAP) deserves close study. It could serve as a robust prototype. HYDRAP links asset protection with disaster management and, unlike conventional municipal enforcement—which is often toothless—operates with a dedicated force and police coordination, ensuring enforcement without political interference. Failure to prevent illegal hutments has also facilitated cross-border infiltration, with the potential to significantly alter urban demography. Unlike in villages, illegal migrants can seamlessly blend into megacities. Spaces beneath flyovers, near traffic signals and along railway tracks have become safe havens. A demographic audit is therefore a necessary governance tool to ensure urban planning is grounded in reality rather than outdated census data.

IndiGo fiasco must spur course correction

Aviation sector's rapid expansion has not been matched by strengthening of regulatory oversight

THE Indian aviation industry has experienced turbulence this year. The Air India crash in Ahmedabad on June 12 shocked the nation; its cause continues to be under investigation. Early this month, mass flight cancellation by the country's leading carrier, IndiGo Airlines, paralysed air travel. Both incidents caused deep concern about the health of an industry that now accounts for 1.3 per cent of the country's gross domestic product (GDP). At the time of the Ahmedabad crash, questions were asked about the revival of Air India after being acquired by the Tatas from the government. Admittedly, it had become a loss-making leviathan over the past few decades, but the Tatas and their partner, Singapore Airlines, had exuded confidence that the airline would make a full recovery. The crash, however, raised doubts over the viability and safety of its ageing fleet. Yet it was notable that the top brass of the Tatas were not only visibly present throughout the disaster's aftermath but also a compensation fund was announced immediately. Though complaints from families and legal teams persist, Air India has been viewed as broadly compassionate and helpful in this dire situation.

This is in marked contrast to the latest crisis for which IndiGo is being reviled and severely trolled. Apart from harassment to passengers over the cancellations that continued for several days, there was initially a deafening silence from the top management. It was the frontline staff which bore the brunt of the air passengers' ire over having to wait cluelessly for hours on end, and then to be told that flights were cancelled, leaving them in the lurch. This included those travelling for medical emergencies, jobs, exams, weddings or funerals. The apology by the IndiGo CEO came too late in the day to provide any solace to those who faced major disruptions.

At this point, one must pause and recall that there is a reason IndiGo became the country's most popular airline and garnered such a huge market share. Despite being a no-frills budget carrier, it initially combined punctuality, efficiency and predictability in a way that brought comfort to air passengers. It was even preferred over full-service carriers simply because its systems ran like clockwork. The problem began when market dominance

turned into disregard for stakeholders such as consumers and regulatory agencies.

As for the aviation sector having become a duopoly, it is actually more of a monopoly with IndiGo commanding two-thirds share of the market. Its expansion to this level has been aided by developments such as the sudden closure of Jet Airways as well as technical and financial problems faced by smaller carriers like SpiceJet.

Civil Aviation Minister Ram Mohan Naidu has said that more entities are being encouraged to enter the aviation space in a bid to ensure competition. But new entrants like Akasa Air will take a while to stabilise and the dominance of a single carrier is set to continue for the time being. The Competition Commission of India is

between flights. Under the Flight Duty Time Limitation (FDTL) rules, it was raised from 36 to 48 hours. In other words, airlines would have to hire more pilots to meet the demands of expanded rest hours. Since the decision was taken in January 2024, there was ample time for airlines to enhance staff accordingly. IndiGo reportedly failed to do so. So, when the new norms were implemented in November this year, the result was mass cancellations and mayhem, affecting nearly two-thirds of the travelling public around the country. The big question now is about the role of the regulator in ensuring that airlines follow guidelines that have a critical impact on safety. It is evident that the DGCA was taken unawares by these developments. The reason for this is that the aviation sector's rapid expansion has not been matched by a strengthening of regulatory oversight.

On the contrary, the DGCA is hamstrung by staff shortage. As much as 49 per cent of sanctioned posts are currently vacant. Similarly, the Bureau of Civil Aviation Safety has 203 vacancies out of 598 sanctioned posts, according to replies to parliamentary questions. This shortfall in technical expertise is alarming at a time when the aviation industry is growing at a fast pace. India has become the world's fifth biggest aviation market, growing at the rate of 11 per cent annually, with demand for air travel rising exponentially. It is at this juncture that there is the greatest need to accord high priority to safety and maintenance issues. It is also high time airlines paid for their misdeeds. IndiGo may have been an efficient and consumer-friendly airline in the past, but sadly, it has now transformed into a corporate with a laser-sharp focus on profits rather than consumer interests. It has sought to leverage its predominant market share in a manner

that has caused immense hardship to the travelling public. There is a need to take a cue from airlines of other countries, notably the US, where harried consumers got compensation running into hundreds of millions of dollars. The Civil Aviation Ministry and the DGCA are now bound to ensure that comparable penalties are paid by any carrier that assumes it is too big to be hurt by the authorities. The action must be taken sooner rather than later so that such a crisis does not recur.



reported to be watching the developments closely, but may remain on the sidelines for now. It has powers to break up large corporate entities that are liable to misuse their monopoly positions. But in this case, drastic action against IndiGo could cause severe discomfort to consumers, given the lack of viable options for air travel. It is precisely this pre-eminent role of the carrier that led to the flight cancellation chaos. The spark was the decision of the regulator, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), to increase rest time for pilots

Greater accountability must follow MLAs' raise

The Bills for a three-fold hike passed unanimously in the House as, unsurprisingly, the raise found resonance among all parties. But outside, a debate was raging on the rationale behind the move

Year-end celebrations arrived early for Odisha legislators as the proposal for a three-fold hike in their salary was approved by the state assembly on the last day of the winter session. Ratifying four Bills, the legislature cleared the raise for the members, the speaker, the deputy speaker, and ministers. With a paycheque of ₹3.45 lakh a month, Odisha's MLAs will now be among the highest paid in the country. The chief minister will draw ₹3.74 lakh in salary and allowances. An MLA's fixed salary will go up from ₹35,000 to ₹90,000, and allowances will rise from ₹65,000 to ₹2.55 lakh. Former legislators will be entitled to a larger pension. The last raise in the assembly was in 2017; the latest revision comes with retrospective effect from June 2024. The Bills passed unanimously in the House as, unsurprisingly, the raise found resonance among all parties. But outside, a debate was raging on the rationale behind the move. Amid this, BJD chief and opposition leader Naveen Patnaik went on to announce he would forgo the increased salary and



allowances, and wrote to Chief Minister Mohan Charan Majhi to spend it on the poor. That gesture was called out by his political opponents, who pointed out that neither he nor his party opposed the Bills on the floor of the House. The hike in Odisha has again triggered an old

question: should lawmakers not be paid handsomely to keep politics clean? Truth be told, the salaries of most MLAs were well below senior public servants'. Now consider that an MLA represents about 3 lakh people on an average. Such is the nature of politics that lawmakers have to dig into their pockets to meet the expenses of attending to constituents on a regular basis. Insulation from the lures of corruption requires that elected representatives are paid well, as Singapore ensured years ago. On the other hand, a raise in salary and allowances must entail more accountability, responsibility, and transparency on part of the legislators. It comes at a time when thousands of government teachers and contracted government employees are agitating over job regularisation and fair pay. While the legislators have revised their own remunerations, they should also look at the legitimate demands of others with the same empathy and seriousness.

A gap between life and loudspeaker

In Kerala, the CPM permeates most civic institutions. As the party has become inseparable from Chief Minister Pinarayi Vijayan's persona, local failings are also read as the state government's failure. This transference partly caused the LDF's loss of the state capital's municipality

A few months ago, the Election Commission issued me my first voter identity card. I had never voted before. I gave my Thrissur address because in old age I did not think breathing Delhi's air was sustainable, though I am not at home in Kerala either. That estrangement is my problem alone: I am never at home anywhere. For the first time, I thought I would honour my political relevance in the local elections whose results were announced Sunday. When the people came for the special intensive revision, I was away. At the village office, I filled out the form, and they told me the SIR slip would reach me through local party workers. 'The party' in Kerala usually means the CPI(M). In the last decade, little has moved in the state without the party as a middleman. The idea is to make you feel indebted. To flourish in Kerala, you need to belong to a party or organisation, preferably the CPI(M), which has infiltrated civic structures—exactly the "institutional takeover" Rahul Gandhi recently accused the BJP of at the national level. On Friday, I went to the booth. Everyone was polite and helpful in telling me I did not exist as a voter—despite the EC-issued card and several other documents. It has always been clear to me that official Indian identity can never be proved categorically. It is because we don't truly exist that we must hoard PAN, passport, ration card, and Aadhaar to prove that we do. Indian citizenship is an abstract concept. Though I could not vote, close to three-quarters of Keralites did, and many voted against the CPI(M) in favour of the Congress-led UDF, which did a very good job of presenting itself as a viable alternative, helped among other things by the Sabarimala gold theft under the CPI(M)'s watch. They were likely voting out the middlemen.

At the heart of this churn lies a convergence of leadership style, governance fatigue, and shifting social coalitions—especially among women and historically loyal communities. A hitherto-bipolar politics is now slowly gravitating towards a third alternative, the BJP-led NDA. Thiruvananthapuram, Kerala's capital, now has a municipal corporation under BJP's sway after decades of CPI(M) rule. That the BJP is a rising power in the state is one of the most telling results of this election. Similar gains in other corporations and panchayats underline a new, if still limited, urban foothold.

That space has been created largely by default, by the failure of the Left front, inseparable from Chief Minister Pinarayi Vijayan's persona. His undying love for himself is visible on billboards and at events. The party works as his PR machine, much like Narendra Modi and the BJP. The difference is that Modi is more skilful and his party's exploitation of identities more systematic and on a far vaster scale. Locally, the effect has been to enable the BJP to pose as an active option. Ward and municipal elections differ from state and national polls in that they are more intimate expressions of lived experiences. The LDF has been quick to claim credit for everything, but it failed to explain steep rises in water charges, power bills, and property transaction costs, even as it dispensed freebies, cash awards, and food kits from a perpetually bankrupt exchequer. Local bodies increasingly looked up to the chief minister's office for direction. The failure of a

corporation was read as the failure of the state government. The LDF's loss of the Thiruvananthapuram Corporation is the clearest expression of this transference of blame. Chronic waste-management crises, infrastructural stagnation, and administrative drift created conditions under which a once-remote BJP



could plausibly position itself as a governance alternative—politically unthinkable not long ago. Women voters in Thiruvananthapuram, Kochi, and Thrissur prioritised everyday governance: waste disposal, waterlogging, broken footpaths, public transport, lighting, and safety. These failures affect women first and most persistently. The LDF's earlier advantage among women, built on welfare delivery and

Kudumbashree, yielded diminishing returns in cities where its rhetoric became repetitive—a kind of dystopian magical realism born of the gap between life and loudspeakers. This was not, however, a pro-BJP women's wave. Many women voted tactically—some towards the UDF, some towards the BJP—primarily to dislodge incumbents rather than to endorse ideology.

Christian voters, especially in Kochi and Thrissur, consolidated quietly behind the UDF, guided by comfort with coalition politics and unease with both CPI(M) ambiguity and the BJP's long-term intentions. This consolidation proved decisive in central Kerala city corporations. The BJP in the state, and to a lesser extent the UDF, now paint a rosy picture of 'viksit Kerala'. They are deluding themselves. Compared to many other states, Kerala is far ahead on crucial human-development indicators. Its work culture, political values, and relatively secular approach to life mean that the model of 'development' on offer in, say, Uttar Pradesh or Bihar is not materially attractive here. Half the population is abroad; the young are migrating in large numbers to Europe and Australia. No one is seriously looking to a factory future. Given Kerala's uniform urbanisation, high education levels, and environmental awareness, the only realistic development path is in artificial intelligence and knowledge work. This is what the CPI(M), stuck at best on techno-parks, should have pursued with clarity and urgency. Their thinking is clearly outdated. After all, how can you have a revolution without proletarians? And the answer is, there is no revolution. Move on.

Worst behind us, IndiGo CEO tells staff after days of flight cancellations chaos

New Delhi.(Agency)

IndiGo CEO Pieter Elbers has told employees that the "worst is behind us" after the airline grappled with days of widespread flight cancellations, blaming the disruption on a compounding effect of several factors rather than a single failure.

In a video message issued after operations stabilised, Elbers said IndiGo had restored its network to around 2,200 flights a day, calling the recovery a testament to teamwork and the airline's operating discipline. "The worst is behind us. As IndiGo employees, we stood tall and united, weathering the storm together, with unwavering support for one another. THANK YOU to our pilots, cabin crew, airport staff, OCC, customer service, and all functions that supported us," Elber said in the video message. Further in his letter, Elbers said he had informed employees on December 9 that operations were stabilising, following which the airline moved to rebuild its schedule. He said the immediate focus would now be on three areas -- resilience, root cause analysis and rebuilding. "What we witnessed seems to be a compounding effect of several factors," he said, while urging employees to stay calm, focus on their responsibilities and avoid engaging in speculation around the causes of the disruption.

He said IndiGo's Board has appointed an external aviation expert to conduct a comprehensive root cause analysis, adding that similar disruptions have affected large airlines in other parts of the world. "While every crisis is unique, lessons from others will also help us strengthen our systems," the letter said. The leadership team, including the CEO, will travel across the network to meet employees, understand the challenges they faced and seek feedback. Elbers said a combination of the root cause analysis and staff inputs would be used to strengthen the airline further.

Stock markets trade lower in early deals tracking weak global trends

MUMBAI.(Agency)

Equity benchmark indices Sensex and Nifty edged lower in early trade on Thursday, tracking a weak trend in global markets.

The 30-share BSE Sensex declined 214.87 points to 84,344.78 in early trade. The 50-share NSE Nifty dipped 56.1 points to 25,762.45.

From the Sensex firms, Sun Pharma, Tata Motors Passenger Vehicles, Mahindra & Mahindra, NTPC, Bharat Electronics and Maruti were among the biggest laggards. However, HCL Tech, Tata Consultancy Services, Tech Mahindra and ITC were among the gainers. In Asian markets, South Korea's Kospi, Japan's Nikkei 225 index and Hong Kong's Hang Seng index quoted lower, while Shanghai's SSE Composite index traded in positive territory.

US markets ended lower on Wednesday.

"Global markets enter today's session on a cautious footing following a sharp overnight sell-off in the US. The S&P 500, Nasdaq, and Dow extended their losing streak as investors booked profits in high-valuation technology and AI stocks." Investor sentiment also remains cautious ahead of the release of US consumer price inflation data, with divided views in the market over the future trajectory of monetary policy, prompting participants to stay defensive and avoid aggressive positioning," Ponmudi R, CEO of Enrich Money, an online trading and wealth tech firm, said. Asian markets opened on a weak note, mirroring the subdued tone on Wall Street after several sessions of sustained selling, he added.

Foreign Institutional Investors (FIIs) turned buyers on Wednesday as they bought equities worth Rs 1,171.71 crore, according to exchange data.

Ghost malls: 15.5 million sq ft of space deserted; know these facts before investing

Kolkata. (Agency)

Whether for buying or for hangout or even for casual dining, shopping malls has become an extremely popular destination in different cities of India. As a result, numerous malls have opened in every small and big city. However, recent report has uncovered a shocking truth about shopping malls in the top 32 cities of the country. This report by Knight Frank has said that out of a total of 134.1 million square feet of retail space in the country, as much as 15.5 million or 1.55 crore square feet, has now become ghost malls. The message is simple -- these malls have no shops and no activity and are lying deserted like a haunted place.

Warning in the report

The report could be treated as an extremely significant one which shows that in retail real estate, location is not the only important factor. Quality, management and customer experience are perhaps bigger deciders than location. The report also warns that even areas once considered prime locations can become loss-making ventures. Therefore, investors have to become aware of these facts.

What are ghost malls?

According to the report, Ghost Shopping Centers are places where there are no retail or activity centers. These malls have only empty shops. Of the total 15.5 million square feet of ghost space, 11.9 million square feet is in Tier-1 cities, while 3.6 million square feet is in Tier-2 cities. Therefore, it is seen even in metro cities.

These malls in Gurugram

Gurugram is perhaps the shopping mall capital of the country. The report cites the example of MG Road in Gurugram, which was once referred to as the "Mall Mile". Five large shopping centers opened in this one area. As a result, only malls with the best locations and management survived, while the rest gradually lagged behind. The early shopping centers on MG Road are also part of this story. They were once synonymous with Gurugram, but as new and modern retail destinations emerged on CyberHub and Golf Course Road, the attraction of the older malls faded.

How Indian Railways is nearing full electrification of Broad Gauge Network; surpasses UK, Russia, China

Union Minister for Railways, Information & Broadcasting and Electronics & Information Technology, Ashwini Vaishnav, in a written reply to a question in Lok Sabha mentioned that Indian Railways is nearing full electrification at 99.2% of Broad Gauge Network, Far Ahead of UK (39%), Russia (52%) & China (82%).

New Delhi.(Agency)

In the last one decade, Indian Railways has been working at fast pace to improve its infrastructure, including Electrification of railway network, installing wifi at stations, modernised rain coaches, etc. So

far, about 99.2% of Broad Gauge (BG) network has been electrified and the work is going on in remaining network. The Railways has installed free Wi-Fi services at 6117 Railway Stations across the country so far. Notably, No separate funds have been sanctioned by Ministry of Railways on these Wi-Fi services at Railway stations. Union Minister for Railways, Ashwini Vaishnav, submitted a written reply to a question in Lok Sabha informing about the electrification of railway network. The minister said Railways' achievement in railway electrification stand out globally. According to the latest report of International Union of Railways (UIC) of June, 2025, railway electrification in important railway systems is as under: In 2023-24, Railway Electrification achieved 7,188 Route kilometer, while in 2024-25 it stood at 2,701 RKM. Further, all new line / multi-tracking projects are being sanctioned and constructed with

electrification. The below-mentioned table shows Zone wise status of electrification: The written reply submitted in the Lower House



mentioned that the existing Broad Gauge network in Arunachal Pradesh, Meghalaya, Nagaland, Tripura and Mizoram states of North eastern region have been 100% electrified. CCTVs at Railway stations

The minister eplied that the Railway is installing CCTV cameras at several stations and train coaches. "So far, CCTV Surveillance system has been provided at 1731 stations and 11,953 coaches for ensuring safe and secure journey to railway passengers," it stated.

"CCTVs were already installed at New Delhi Railway station to cover outdoor areas like entry/exit points, foot over bridges, platforms etc. and indoor areas like waiting halls, ticket counters etc. However, some new areas were developed at New Delhi station premises after February 15, 2025 and accordingly additional CCTVs are provided to cover these areas. Presently, 250 Nos of CCTVs are provided at New Delhi Railway station," Ashwini Vaishnav said in his written reply

ICICI Prudential AMC IPO GMP today: What grey market signals ahead of market debut

The IPO allotment was finalised on Wednesday, following heavy demand from institutional investors over the three-day subscription window.

New Delhi.(Agency)

ICICI Prudential Asset Management Company's initial public offering is set to make its stock market debut on Thursday, with investor focus firmly on the expected listing gains after a strong response during the bidding period.

The IPO allotment was finalised on Wednesday, following heavy demand from institutional investors over the three-day subscription window. While retail participation was moderate, strong interest from qualified institutional buyers pushed overall subscription numbers sharply higher. The ICICI Prudential AMC IPO was subscribed 39.17 times. The retail category was subscribed 2.53 times, the non-institutional investor segment saw subscriptions of 22.04 times, while the qualified institutional buyers



category was subscribed a massive 123.87 times, excluding anchor investors. This strong institutional demand has boosted confidence around the listing. Investors who applied for the IPO can check their allotment status on the websites of the registrar, Kfin Technologies, or the BSE. With allotment completed, attention has now shifted to the listing price and potential gains on debut. Grey market trends suggest healthy listing gains. ICICI

Prudential AMC IPO's last reported grey market premium stood at Rs 370, as of December 18 at 7:37 am.

Based on the upper price band of Rs 2165, the estimated listing price is around Rs 2535 per share. This indicates an expected gain of about 17.09% per share. Market participants point out that the rising GMP reflects steady demand for the issue, which received bids for over 1.37 billion shares worth nearly Rs 2,96,927 crore, against an offer size of just over 3.5 crore shares. The IPO was a book-built issue worth Rs 10,602.65 crore and was entirely an offer for sale of 4.90 crore shares. As a result, ICICI Prudential AMC will not receive any fresh funds from the issue. Existing shareholders have reduced their stake through the listing.

Amazon to lay off 370 staff in Luxembourg. What's driving the job cuts

NEW DELHI.(Agency)

Amazon is preparing to lay off 370 employees in Luxembourg in the coming weeks, adding to a wider round of global job cuts announced earlier this year, reported Bloomberg. The decision has raised concerns locally, especially among foreign workers employed by the company.

PART OF A BIGGER GLOBAL PLAN

The Luxembourg layoffs are part of Amazon's plan to reduce its global workforce by around 14,000 jobs. The company says the move is meant to simplify its operations and focus more on priority areas such as artificial intelligence and long-term growth. Meanwhile, Amazon employs about 4,370 people in Luxembourg, and the planned cuts will affect nearly 8.5% of its workforce there. Even after the layoffs, Amazon will remain one of the country's biggest private employers. However, this is the largest round of job losses Luxembourg has seen in more than 20 years, making it a



major event for the local labour market. **JOB CUTS REDUCED AFTER TALKS**

Under European labour laws, companies must hold discussions with employee representatives before making large-scale layoffs. After two weeks of consultations, Amazon reduced the number of planned job cuts from 470 to 370. Employee representatives say most affected staff are likely to receive formal notice in February.

WHAT AMAZON HAS SAID

In a memo sent to employees on December 12, Amazon said the layoffs were based on business needs and local

strategy. The company also claimed that the severance packages being offered are better than standard industry practices. The Luxembourg labour ministry has not yet made a public statement.

FOREIGN WORKERS FACE ADDED PRESSURE

The layoffs are especially worrying for foreign employees who moved to Luxembourg to work at Amazon. Workers from countries such as India, the US, Australia, Egypt and Tunisia now face uncertainty. Under local immigration rules, employees who lose their jobs usually have just three months to find new work if they want to stay in the country. With hundreds of people job-hunting at the same time, this may prove difficult.

UNIONS RAISE CONCERNS

Trade unions in Luxembourg have criticised Amazon's decision, noting that the company benefits from favourable tax arrangements in the country.

55,000% rally in Indian AI stock triggers bubble concerns: Report

Investors who applied for the IPO can check their allotment status through the registrar, Kfin Technologies, or the BSE website once the allotment is finalised.

New Delhi.(Agency)

The world's best-performing stock has turned into a warning sign for investors chasing quick gains from the artificial intelligence boom. A little-known Indian company has delivered a stunning 55,000% rise in just under two years, raising serious questions about hype, regulation and investor risk, reported Bloomberg. RRP Semiconductor Ltd, which was largely unknown even within India until recently, has become a social

media sensation after its shares surged more than 55,000% in the 20 months leading up to December 17. Bloomberg reports that this makes it the biggest stock gainer globally among companies with a market value above \$1 billion. The scale of the rally looks even more striking when placed against the company's fundamentals. Bloomberg notes that RRP Semiconductor reported negative revenue in its latest financial results, has just two full-time employees according to its annual report, and only a loose connection to the global semiconductor spending boom.

FROM REAL ESTATE TO SEMICONDUCTORS

The company's transformation began in early 2024. Bloomberg reports that RRP's promoter, Rajendra Chodankar, shifted the company away from real estate and renamed it RRP Semiconductor. Chodankar, whose earlier business interests included thermal imaging systems and drone camera equipment, took control of the listed company by repaying an Rs 80 million

loan owed by G D Trading and Agencies Ltd in exchange for equity.

On April 23, the board approved issuing shares to Chodankar and others at Rs 12 each, around 40% below the market price at the time. This move gave Chodankar a



74.5% stake and reduced the original founders' holding to less than 2%, according to Bloomberg. Around the same time, Chodankar set up a private company, RRP Electronics Pvt Ltd, with plans to build an outsourced semiconductor assembly and testing unit in Maharashtra. While the listed firm does not own this private company, Bloomberg

notes that both are controlled by Chodankar, which may have added to investor excitement.

THE ROLE OF HYPE AND LIMITED FLOAT

Bloomberg points out that the rally was driven by a mix of online hype, a very small free float, and a surge in retail investor participation in India. About 98% of RRP Semiconductor's shares are held by Chodankar and a small group of associates, leaving very little stock available for public trading. This lack of supply helped fuel extreme price moves. The shares reportedly hit 149 straight upper circuit sessions, even as both the company and the stock exchange issued warnings to investors.

"Semiconductors have been really hot and people are willing to buy any name given India has limited stocks to offer," Sonam Srivastava, founder at Wryght Research & Capital, told Bloomberg. She added that cases like RRP show how investors can be drawn into risky trades during periods of market excitement.

If we want Delhi to remain liveable, have an obligation to use public transport: CM Rekha Gupta

AQI expected to remain in 'Very Poor' category until December 20, following six days set to range from 'Very Poor' to 'Severe'

New Delhi.(Agency)

Flagging the high density of vehicles plying on the Capital's roads, Chief Minister Rekha Gupta on Wednesday said that air quality of Delhi will not improve unless people start ditching personal vehicles for public transport while travelling alone.

Speaking at the inauguration of the new Delhi Metro Museum at the Supreme Court Metro station, Gupta said, "When people talk about reducing pollution in Delhi, I tell them that a big contributor is transportation. Pollution caused by lakhs of vehicles that ply on the roads, and that too many without a pollution certificate, in a tiny place like Delhi where around 3 crore people live, is responsible for suffocating Delhi..."

"If we want Delhi to remain liveable, we have an obligation to use public transport. We cause problems for our own convenience and then wonder how the pollution will be reduced. That will only happen when all of us decide that we will not use a car if we are travelling alone, I will either carpool or use

the Metro or a bus," she added.

While there are close to 80 lakh vehicles registered in Delhi alone, the city's roads see vehicles from neighbouring states as well. Overall, around 2.88 crore vehicles ply on Delhi-NCR's roads daily, said sources.

Listing the steps her government has taken to reduce air pollution, Gupta said a decision has been taken to completely convert the public bus fleet into electric vehicles. "We have already converted 3,500 of our buses to e-buses. By the end of 2026, we have set a target of converting all our buses to e-buses. We will bring our electric vehicle policy very soon," she added.

Delhi's air quality index (AQI) remained in the 'Very Poor' category on Wednesday, with the AQI recorded at 334, marginally improving from Tuesday's 354, aided by stronger winds

that helped disperse pollutants.

The India Meteorological Department (IMD) and air quality bulletins warned that dispersion conditions are likely to deteriorate,



with ventilation index values dropping below favourable thresholds later this week. A ventilation index below 6,000 m²/s, combined with wind speeds under 10 kmph, is considered unfavourable for pollutant

dispersal. As a result, as per the IITM's air quality forecast, Delhi's AQI is expected to remain in the 'Very Poor' category until December 20, with the outlook for the following six days ranging from 'Very Poor' to 'Severe'.

The AQI readings had crossed the 400-mark and fallen in the 'Severe' category on Saturday, Sunday and Monday.

On Wednesday morning, due to shallow fog, Safdarjung recorded the lowest visibility at 700 m, while Palam reported a visibility of 800 m. Source apportionment data from the Decision Support System (DSS) for air quality management showed a rise in transport sector emissions, accounting for around 16% of Delhi's pollution load on Wednesday. Emissions from Jhajjar in Haryana stood at 16.53%, nearly matching Delhi's transport sector's contribution.

Delhi and peripheral industries together

contributed 8.06%, while Rohtak accounted for 5.06%. Residential emissions were estimated at 3.97%, and Gurgaon's contribution remained relatively low at 1.79%. According to DSS forecasts, Jhajjar is expected to emerge as a dominant regional polluter in the coming days, with its contribution projected to rise sharply to 22.54% – potentially overtaking Delhi's transport sector emissions. The IMD attributed the marginal improvement in AQI to strong south-westerly winds, which reached speeds of up to 20 kmph over the past 24 hours, aiding dispersion.

However, meteorological conditions are expected to turn less favourable soon. While minimum temperatures are likely to remain near normal over the next three days, they are expected to rise by about 2 degrees Celsius.

Delhi recorded a minimum temperature of 10.4 degrees Celsius on Wednesday, which was 2.3 degrees below normal, while the day temperature settled at 24.7 degrees Celsius, 2.5 degrees above normal, according to IMD.

Factory producing fake cosmetic creams, toilet cleaners raided days after interstate drug racket busted in Ghaziabad

New Delhi.(Agency)

Four days after a major interstate racket allegedly involved in the manufacture, repackaging and nationwide sale of Schedule-H medicines following a raid at a factory in Ghaziabad was busted, another unit producing fake cosmetic creams, toilet cleaners was raided, police said.

Investigation revealed that the operators of the two factories are part of the same syndicate. The cosmetic creams were being supplied across North India, sources said.

Police found that the factory manufacturing the fake creams had been operating for the past six years, and were supplied by wholesalers in Sadar Bazaar. "We are now tracing who were receiving the supplies and if they were aware that those were fake," a police officer said.

Thousands of tubes of spurious ointment to treat skin infections, over 350 kg of fake medicinal creams and manufacturing equipment were recovered on Sunday. Two persons were arrested as the manufacturing unit was unearthed and counterfeit drugs and raw material worth over Rs 2.3 crore were seized, police had said.

The recovery also included around 1,200 tubes of spurious Betnovate-C ointment, over 2,700 tubes of spurious Clop-G ointment, more than 3,700 tubes of spurious Skin-Shine ointment, approximately 22,000 empty ready-to-be-filled fake Clop-G tubes, besides chemicals and machinery, said officers.

The Drugs Control department of the Delhi government had on Saturday collected 204 samples for analysis during an enforcement drive against illegal drug trade at Bhagirath Palace as the stores of 27 wholesale drug dealers, which distribute medicines across North India, were inspected.

During the drive, which the department said was part of a crackdown on the illegal drug trade in the Capital, a store was also sealed for not possessing the required licences in violation of the Medical Devices Rules, according to officials. Sources said drugs, including cough and cold medicines, Telmisartan, Cetirizine, Paracetamol, Metformin, were seized.

Senior citizen dies after e-rickshaw hits her scooter in Delhi

The incident occurred on Monday when Satnam and her husband Rajendra Singh were riding a scooter near Jagatpuri after offering prayers at a gurdwara.



New Delhi.(Agency)

A 76-year old woman died after allegedly being mowed down by an e-rickshaw while she was on a two-wheeler, Delhi Police said on Wednesday.

Police identified the deceased as Satnam. The incident occurred on Monday when Satnam and her husband Rajendra Singh were riding a scooter near Jagatpuri after offering prayers at a gurdwara.

"Near the gurdwara, an e-rickshaw hit the scooty, resulting in the couple falling down and the e-rickshaw overturning," said an officer, adding that the couple were residents of Gandhi Nagar.

"The two were initially rushed to a hospital in Laxmi Nagar, from where Satnam was sent to the Metro hospital and Rajendra to Goyal hospital. Satnam was declared dead on arrival by the doctors," the officer further said.

Amid pollution curbs, workers gather at Labour chowk, only to return empty-handed

Govt announces one-time relief for out-of-work labour, but not many are registered

New Delhi.(Agency)

At 12 pm on Wednesday, Dilip (27) stood at Labour Chowk in Madanpur Khadar with a bag containing his lunch. He is among the 150-odd men and women who gather at the spot everyday in search of work, mostly at construction sites.

However, with the imposition of the strictest anti-pollution curbs in Delhi-NCR since Saturday – halting any kind of construction and demolition activities – people like Dilip are now thronging Labour Chowk in the hope of getting picked up for works related to plumbing and cleaning.

"If we get work, we will eat at the site; if not, we will go back home. The situation is very bad," he said.

Dilip has heard about Delhi Labour Minister Kapil Mishra on Wednesday announcing Rs 10,000 in compensation for construction workers rendered unemployed due to the pollution-battling Graded Response Action Plan (GRAP) 3 and 4 measures. The only problem: The

money would directly be paid to the bank accounts of workers registered with the government.

"I only have Aadhaar and PAN cards. I do not know where to get registered with the government and get a labour card made," said Dilip, who earns



around Rs 500 daily, and has been working as a beldaar (manual labourer) for the last five years. While he stays with his brother in a room paying a rent of Rs 3,500, his family stays in Lucknow.

Dilip is not alone. Rahul (28) has recently started working

as a plumber. "Half of the people don't know what a labour card is. They don't even know that something like this exists... The middlemen extort money to make and renew a card," he said while waiting at Labour Chowk. Only around 30 people have been picked up for work since morning, he added, maintaining that it is difficult for migrant workers to survive in Delhi, he added, "My youngest child is two months old, how will I look after my child?... 90% of workers like us are not getting any work, the rest are getting work that is illegal."

"At night, I feel breathless when I return home from work. At first, I thought it was the cold, but when my eyes started burning, I realised that it was because of pollution," he said.

For people like Rahul, visiting a doctor in a government hospital means losing on a day of income. "We buy jaggery and eat it the whole year," he said.

New Metro museum at Supreme Court station now, opens for public on December 19

New Delhi.(Agency)

Delhi Chief Minister Rekha Gupta Wednesday inaugurated a new Delhi Metro Museum at Supreme Court Metro station — shifting the facility from Patel Chowk to a larger and more interactive space, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) said.

Transport Minister Pankaj Singh and DMRC officials, including DMRC Managing Director Vikas Kumar also attended the event, the DMRC said, adding that the inauguration marked another milestone in showcasing the evolution of the Capital's mass rapid transit system.

Spread across around 12,000 sq feet, the museum houses more than 50 panels, exhibits, kiosks and models depicting the Metro's construction and

operations, the DMRC's spokesperson said. Gupta said that the Delhi Metro has become central to the city's



transport system and has helped reduce dependence on private vehicles. Referring to the expansion of the network, she said the system, spanning around 400 km, has 289 stations and serves roughly 35 to 37 lakh passengers daily, easing road congestion and providing a cleaner mode of travel.

Recalling the time when former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee approved the Delhi Metro project, CM Gupta said there was scepticism about whether or not such a system could function successfully.

Among the exhibits at the museum are simulators that allow visitors to experience driving a Metro train, working models of a Metro tunnel with machines and launching girders, and interactive digital displays. The museum also includes a dedicated panel on former DMRC chief E Sreedharan, and a model of the Operations Control Centre.

The museum will open for the public from Friday and will operate from 10 am to 4 pm, Tuesday to Sunday, remaining closed on Mondays and public holidays.

Five Bishnoi shooters, wanted for murder of kabaddi player and Lawrence's ex-friend, arrested



New Delhi.(Agency)

Five shooters attached to jailed gangster Anmol Bishnoi, allegedly involved in three high-profile murders in Punjab and Haryana, were arrested by the Delhi Police Special Cell on Tuesday.

Additional Commissioner of Police (Special Cell) P S Kushwah said Piyush Piplani (28) and Ankush Solanki (23) from Haryana, as well as Kunwarbir (30), Lovepreet Singh (26) and Santokh alias Kapil Khatri (31) from Punjab, were arrested in two operations.

Police said the shooters are prominent members of Arzoo and Anmol Bishnoi-Harry Boxer syndicate, which is being operated from Canada and the US. The syndicate had put the Punjab and Haryana Police on high alert after allegedly murdering a bar and restaurant owner in Amritsar in September and a national-level kabaddi player in Panchkula in June. The syndicate, which was targeting kabaddi players and businessmen to extort them, was also allegedly involved in the murder of a former friend of jailed gangster Lawrence Bishnoi in Chandigarh earlier this month.

Kushwah said that Piyush and Ankush were among the main shooters in the murder of Lawrence's former friend Inderpreet Singh alias Parry, who was killed in Chandigarh's Sector 26 on December 1. Parry's murder was allegedly carried out against the backdrop of a gang war between Lawrence and Goldy Brar groups.

Piyush and Ankush were also involved in the murder of kabaddi player Sonu Nolta on June 5 at Panchkula in Haryana, said police. "Piyush was the lead shooter in both the murders, while Kunwarbir was the driver of the tail and getaway car in which Piyush and Ankush travelled to kill Parry."

Non-BS VI cars from outside can't enter Delhi from today: What's allowed, what isn't

The restrictions come amid recurring evidences that vehicular emissions is one of the biggest and most stubborn contributors to air pollution in the NCR.

New Delhi.(Agency)

Following days of 'severe' air quality across Delhi-NCR, the Delhi government has decided to implement a ban on non-BS VI private vehicles registered outside the national capital beginning Thursday. As of 5:30 am, the average AQI in Delhi was recorded to be 358, which led to dense fog conditions across the capital.

Private vehicles that flout the entry ban will be seized. Moreover, vehicles without a valid pollution under control certificate (PUC) will not be allowed to buy petrol and diesel at fuel pumps in Delhi, Delhi Environment Minister Manjinder Singh Sirsa announced early this week.

These restrictions come amid recurring evidences that vehicular emissions is one of the biggest and most stubborn contributors to air pollution in the NCR. Owing to severe AQI levels, the Commission for Air Quality Management's (CAQM) Sub-Committee on the Graded Response Action Plan (GRAP) last week had already invoked

Stage IV (Severe+) restrictions across Delhi-NCR.

What all remains banned across Delhi? Vehicular movement

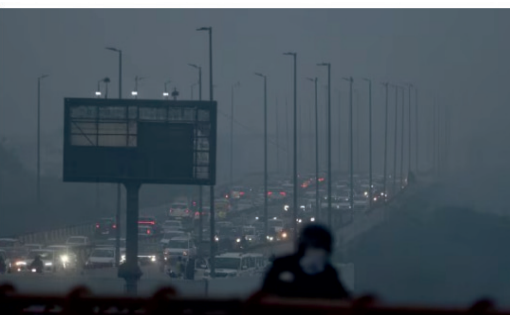
1. All privately owned non-city, non-BS (Bharat Stage) VI vehicles will be restricted from entering Delhi starting Thursday. This order aims to tackle the burden of vehicular pollution in the Capital.

According to a report in The Indian Express, 37 per cent of vehicles in Delhi-NCR were heavily polluting, compliant only with the outdated Bharat Stage (BS) I, BS II, and BS III emission norms.

Therefore, if your BS-IV car has a Noida, Gurgaon, Ghaziabad, or Faridabad number, you cannot drive it to work in Delhi, beginning today.

2. Those vehicles which do not possess a valid pollution under control certificate (PUC) will not be allowed to buy petrol and diesel at fuel pumps in Delhi.

All petrol, diesel and CNG pump dealers have been ordered to dispense or sell fuel only after the driver produces a valid PUC for the vehicle. Automatic Number Plate



Recognition and on-ground checks will be conducted to verify the PUC status and emissions (BS) category of vehicles. In this view, Delhi's Environment Minister has urged citizens not to argue with enforcement officials at fuel stations and borders if their vehicles were found to be non-compliant.

3. The ban on entry of non-BS VI commercial vehicles such as trucks and buses is already in place in Delhi, owing to 'very poor' air quality. However, trucks running on LNG, CNG, electricity or BS-VI diesel are permitted to enter the city.

4. Under GRAP III and GRAP IV implemented in Delhi, BS-III petrol and BS-IV diesel vehicles are not allowed on Delhi's roads. Movement of older diesel medium and heavy goods vehicles has been banned, with exemptions strictly for vehicles providing essential services.

5. Delhi-registered diesel-run Medium Goods Vehicles (MGVs) of BS-IV or below are also not allowed, unless they are ferrying essential commodities.

6. Light commercial vehicles (LCVs) which are registered outside Delhi are also barred from entering the capital, unless they are electric vehicles, CNG-powered or BS-VI diesel vehicles. These vehicles are also allowed only if engaged in essential services or carrying essential goods.

NEWS BOX

Hooded Pitohui: World's Only Toxic Bird That Causes Mild Paralysis, Numbness

world . (Agency)

In the rainforests of New Guinea lives a bird unlike any other - the Hooded Pitohui, known as the world's only toxic bird. While most birds are harmless to humans, this orange-and-black species carries harmful toxins found in poison dart frogs. Touching its feathers or ingesting its flesh can cause tingling, numbness, or even more severe neurological effects in humans, such as mild paralysis.

When was the toxic bird discovered?

Scientist Jack Dumbacher discovered the first-ever toxic bird in the late 1980s while doing fieldwork in New Guinea. When he handled the birds, he noticed that after touching his mouth or eyes, he felt tingling, numbness, and a burning sensation, according to Discover Wildlife. Later, he realised the bird's feathers and skin were poisonous, and even a little contact caused these uncomfortable effects.

In 1992, Dumbacher and his team published a study showing that the Hooded Pitohui's skin and feathers contain a powerful poison called batrachotoxin, along with similar toxic compounds. This was the first confirmed case of a bird being poisonous to humans. These toxins help the bird protect itself from predators and parasites.

Pitohuis don't make their own poison

One of the most interesting aspects about Hooded Pitohuis is that they don't produce poison. Instead, they get it from their diet through a process called sequestration, which means they store the toxins from what they eat in their bodies.

Scientists, including Jack Dumbacher, discovered that the Hooded Pitohui gets its poison from melyrid beetles, which contain batrachotoxins. The birds eat these beetles regularly, and the toxins build up in their skin and feathers, according to Forbes.

Japan Citizens To Sue Government Over 'Unconstitutional' Climate Inaction

Japan.(Agency)

Hundreds of people across Japan will sue the central government Thursday seeking damages for "unconstitutional" inaction on climate change, the country's first such litigation. The landmark lawsuit criticises Japan's "grossly inadequate" fight against the climate crisis, saying it jeopardises the health and livelihoods of the approximately 450 plaintiffs.

Plaintiff Kiichi Akiyama, a construction worker, told AFP that relentless heat forced his team to work slower, causing "huge losses" to his business. There have also been cases where "people collapse out in the field, or have dropped dead after they return home", the 57-year-old said. In the past, five climate-related lawsuits have been filed with Japanese courts, including against coal-fired power plants, said Kyoto University assistant professor Masako Ichihara, who has followed climate lawsuits in the country. But Ichihara -- as well as lawyers working on the suit -- say this is the first compensation claim against the state over climate change. "The defendant's climate change measures are grossly inadequate, and as a result, the plaintiffs' rights to a peaceful life and to the enjoyment of a stable climate are being violated," said the complaint summary, which was obtained by AFP ahead of the filing. This year, Japan sweltered through its hottest summer since records began in 1898, and the plaintiffs argue such heatwaves cause economic losses, ruin crops and put many at risk of crippling heatstroke.

Akiyama, who frequently works outside in the searing heat, said it now takes his team triple the estimated time to finish their projects.

Wordle Result, Then Questions: Charlie Kirk Murder Suspect's Texts To Friends

world . (Agency)

The man accused of killing conservative activist Charlie Kirk allegedly texted his friends about the attack less than two hours after it happened. On the morning of September 10, Tyler Robinson, 22, was messaging a friend on Discord, sharing results of the online word game Wordle. Under an hour before the shooting, he guessed the answer "pouty" on his third try and sent a celebratory meme, to which his friend responded with one of their own, as per The Washington Post. Prosecutors say that by then, Robinson had already been driving three hours from southern Utah to Utah Valley University in Orem, where Kirk was speaking at an outdoor Turning Point USA event. During the speech, Kirk was shot and later died from his injuries.

About 80 minutes after the shooting, Robinson reportedly messaged his friend, "You see this news?????" Other texts read, "Utah gets a national headline for the first time in a while and it's someone slinging charlie kirk", "no like an hour ago", "he's reported dead, and the footage looks BAD." According to charging documents, Robinson told his roommate shortly after the shooting, "I had enough of his hatred. Some hate can't be negotiated out." Friends described Robinson as someone who followed current events closely but showed no clear partisan bias. During the 2020 presidential election, he wrote on Discord. "[Joe] Biden is in the lead electoral votes wise, but there are still some swing states that haven't finished voting, as well as most of the west coast. raw votes donald is in the lead by a little over 1 million votes." They said he disliked bullies and "hateful people" and generally avoided confrontations.

US approves \$11 billion arms sales to Taiwan despite Trump casting doubt on defence commitment

TAIPEI . (Agency)

Washington has approved \$11 billion-worth of arms to Taiwan, Taipei said Thursday, announcing one of the largest weapons packages for the island as it seeks to deter a potential Chinese invasion. While Washington is traditionally Taiwan's biggest arms supplier, remarks by US President Donald Trump raised doubts about his willingness to defend the democratic island. Taiwan has ramped up its defence spending in the past decade as China has intensified military pressure, but Trump's administration has pushed the island to do more to protect itself.

The arms sale announced on Thursday, which still needs US Congressional approval, would be the second since Trump returned to office in January, after the \$330 million sale of parts and components in November. The latest, much bigger cache features HIMARS rocket systems, howitzers, anti-tank missiles, drones and other equipment, according to Taipei's foreign ministry. "This is the second arms sale to Taiwan announced during the Trump administration's second term, once



again demonstrating the US's firm commitment to Taiwan's security," Taipei's foreign ministry said. The potential size of the sale rivals the \$18 billion authorised under former US president George W. Bush in 2001, although that was ultimately downsized after commercial negotiations. Bush ended up selling \$15.6 billion-worth of weapons to Taiwan over his eight years in office.

During Trump's first term, the United States approved \$10 billion in arms sales to Taiwan, including \$8 billion for fighter jets. The latest package is expected to soon receive a Congressional rubber stamp, given the cross-party consensus on Taiwan's defence. Taiwan maintains its own defence industry but the island would be massively outgunned in a conflict with China, and so remains heavily reliant on

US arms. The latest arms sale shows Washington has continued to assist Taipei in "rapidly building robust deterrence capabilities", Taiwan's defence ministry said in a statement.

Taiwanese President Lai Ching-te's government has vowed to ramp up defence spending to more than three percent of the GDP next year and five percent by 2030, following US pressure. It is also plans to seek up to NTS1 trillion in special funding to upgrade the island's air defence systems and increase capacity to produce and store ammunition. The defence spending proposals need backing from the island's opposition-controlled parliament before they can take effect.

China deploys military aircraft and warships around Taiwan on a near-daily basis, which analysts describe as "grey-zone" operations -- coercive tactics that fall short of an act of war. Taipei's defence ministry said 40 Chinese military aircraft, including fighters, choppers and drones, as well as eight naval vessels, were detected around Taiwan in a 24-hour period ending early Thursday.

'Jumped on top, grabbed his arms': Indian-origin man who helped restrain Australia's Bondi Beach shooter

BROOKLINE, Mass . (Agency)

Amandeep Singh-Bola, a 34-year-old man of Indian origin, said he helped restrain one of the alleged gunmen in Australia's Bondi Beach mass shooting because he wanted to bring the assailant down and help anyone who needed assistance. Fifteen people were killed and 40 others -- including three Indian students -- were injured after a father-son duo launched a gun attack on the occasion of a Jewish festival celebrations at the beach on December 14. One of the attackers, Sydney resident Sajid Akram, 50, was shot dead. His 24-year-old Australia-born son, Naveed Akram, was injured.

Singh-Bola, a personal trainer born in New Zealand to Indian and Kiwi parents, helped tackle the suspect Sajid Akram, SBS News reported. He ran onto the bridge where the alleged shooter was firing at people, pinning

him down with the help of a police officer. "I jumped on top of [the shooter] and grabbed his arms. The police officer helped me and said not to let him go," the report quoted him as saying. "I wanted to help get one of [the



alleged shooters] down, or just help anybody that needed help," he said. Singh-Bola, who initially dismissed the gunshots as fireworks, was eating a kebab and watching the sunset over the beach when the shooting occurred. "It

was almost like tunnel vision - just trying to hide behind things and not be seen, just trying to find out where he was. Once I saw where he was, nothing else really mattered," he said. Singh-Bola said police had shot the alleged gunman, and while he lay on top of him, he could feel the shooter dying. Asserting that he was not sick from the blood when he got up, Singh-Bola said, "I had just smashed back a kebab with spicy sauce on it, so I was actually sick from the run down." Australia's federal police commissioner Krissy Barrett has described the shooting as "a terrorist attack inspired by

Islamic State. Sajid Akram has been identified as an Indian citizen hailing from Hyderabad, who migrated to Australia 27 years ago. The other suspect Naveed Akram is an Australian citizen.

Abducted By Mother At 3, US Woman Reunites With Father After 42 Years

DEHRADUN . (Agency)

A US girl, who was abducted as a toddler at the age of three, has been found after 42 years. Michelle Marie Newton went missing in 1983 and was living under a new identity of "Sharon Nealy", completely unaware that she was once abducted. The video obtained by Wesh TV shows Marion County deputies finding a woman accused of abducting her own daughter decades ago. In November 2025, police got a tip that led them to Debra Newton, Michelle's mother, in The Villages, Florida.

The Jefferson County Sheriff's Office stated that Debra relocated from Louisville, Kentucky, to Georgia, claiming it was for a new job and to set up a new home, leaving her husband, Joseph Newton, behind. Bodycam footage shows police arriving at her home, with a friend joking, "They're coming for you, Sharon!" Debra laughed, but the deputies clearly stated, "We're here for you, ma'am," before arresting her. She had previously been

on the FBI's Top 8 Most Wanted list for parental kidnappings. You're not who you think you are. You're a missing



person. You're Michelle Marie Newton," the police told her. After discovering her true identity, Michelle immediately contacted the Jefferson County Sheriff's Office, which helped her reconnect with her father.

Joseph described the reunion as an emotional and almost surreal experience. "She's always been in our hearts. I can't explain that moment of walking in and getting to put my arms

back around my daughter," he said. He further said, "I wouldn't trade that moment for anything. It was just like seeing her when she was first born. It was like an angel." Joseph said he last spoke to his wife between 1984 and 1985, and after that, she disappeared completely. The search continued until 2000, but was dismissed because prosecutors couldn't contact Joseph. In 2005, Michelle's name was removed from the national missing children databases, according to the NY Post. However, the case was reopened in 2016 after a family member requested it, but there were no major leads for years. Finally, in 2025, the police got a tip through Crime Stoppers that provided a solid lead to find Michelle. According to the Commonwealth's Attorney's Office in Jefferson County, Debra was arraigned on a felony charge of custodial interference. Michelle and Joseph both attended Debra's arraignment. During the court proceedings, she said.



Bank has warned that if Europeans appear willing to grab other countries' money, it could undermine confidence in the euro. Some member nations are also concerned about inviting retaliation from Russia. Belgium, where most of the frozen assets are held at a financial clearing house, is the main opponent of the plan. It fears that Russia will strike back and would prefer that the bloc borrow the money on international markets. Last week, the Russian Central Bank sued the Belgian clearing house Euroclear in a Moscow court, raising pressure on Belgium and its European partners ahead of the summit.

Hungary and Slovakia oppose von der Leyen's plan for a "reparations loan." Some 90 billion euros (\$105 billion) would be lent to Ukraine until Russia ends its war and pays for the damage it has caused over almost four years. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy says that totals more than 600 billion euros (\$700 billion). The UK, Canada and Norway would fill the gap beyond the 90 billion euros (\$105 billion). Bulgaria, Italy and Malta also remain to be convinced.

Pulitzer Prize-winning correspondent Peter Arnett, who reported on Vietnam and Gulf wars, has died

LOS ANGELES. (Agency)

Peter Arnett, the Pulitzer Prize-winning reporter who spent decades dodging bullets and bombs to bring the world eyewitness accounts of war from the rice paddies of Vietnam to the deserts of Iraq, has died. He was 91. Arnett, who won the 1966 Pulitzer Prize for international reporting for his Vietnam War coverage for The Associated Press, died Wednesday in Newport Beach and was surrounded by friends and family, said his son Andrew Arnett. He had been suffering from prostate cancer. "Peter Arnett was one of the greatest war correspondents of his generation -- intrepid, fearless, and a beautiful writer and storyteller. His reporting in print and on camera will remain a legacy for aspiring journalists and historians for generations to come," said Edith Lederer, who was a fellow AP war correspondent in Vietnam in 1972-73 and is now AP's chief correspondent at the United Nations. As a wire-service correspondent, Arnett was known mostly to fellow journalists when he reported in Vietnam from 1962 until the war's end in 1975. He became something of

a household name in 1991, however, after he broadcast live updates for CNN from Iraq during the first Gulf War. While almost all Western reporters had fled Baghdad in the days before the US-led attack, Arnett stayed. As missiles began raining on the city, he broadcast a live account by cellphone from his hotel room. "There was an explosion right near me, you may have heard," he said in a calm, New Zealand-accented voice moments after the loud boom of a missile strike rattled across the airwaves. As he continued to speak air-raid sirens blared in the background. "I think that took out the telecommunications center," he said of another explosion. "They are hitting the center of the city."

Reporting from Vietnam was not the first time Arnett had gotten dangerously close to the action. In January 1966, he joined a battalion of US soldiers seeking to rout North Vietnamese snipers and was standing next to the battalion commander when an officer paused to read a map. "As the colonel peered at it, I heard four loud shots as bullets tore through the map and into his chest, a few inches from my face,"

Arnett recalled during a talk to the American Library Association in 2013.



"He sank to the ground at my feet." He would begin the fallen soldier's obituary like this: "He was the son of a general, a West Pointer and a battalion commander. But Lt. Colonel George Eyster was to die like a rifleman. It may have been the colonel's leaves of rank on his collar, or the map he held in his hand, or just a wayward chance that the Viet Cong sniper chose Eyster from the five of us standing in that dusty jungle

path." Arnett had arrived in Vietnam just a year after joining AP as its Indonesia correspondent. That job would be short-lived after he reported Indonesia's economy was in shambles and the country's enraged leadership threw him out. His expulsion marked only the first of several controversies in which he would find himself embroiled, while also forging an historic career. At the AP's Saigon bureau in 1962, Arnett found himself surrounded by a formidable roster of journalists, including bureau chief Malcolm Browne and photo editor Horst Faas, who between them would win three Pulitzer Prizes. He credited Browne in particular with teaching him many of the survival tricks that would keep him alive in war zones over the next 40 years. Among them: Never stand near a medic or radio operator because they're among the first the enemy will shoot at. And if you hear a gunshot coming from the other side, don't look around to see who fired it because the next one will likely hit you.

NEWS BOX

Glenn McGrath jokingly throws chair as Nathan Lyon surpasses his Test record

NEW DELHI . (Agency)

Australia veteran spinner, Nathan Lyon's latest Ashes milestone was celebrated with wickets, records and a moment of pure humour, as Glenn McGrath jokingly "threw a chair" in the commentary box after being overtaken by the off-spinner on the all-time Test wickets list. What began as a routine morning session in Adelaide quickly turned into a memorable chapter in Australian cricket folklore.

Returning to the XI after being left out of the second Test, Lyon wasted little time in making his presence felt on day two of the third Ashes Test. Introduced in the 10th over, the veteran off-spinner struck twice in four balls to swing momentum sharply Australia's way. He first had Ollie Pope playing forward to a turning delivery, with Josh Inglis



completing a sharp catch at midwicket. That wicket drew Lyon level with McGrath on 563 Test scalps. Three balls later, history was rewritten. Lyon drifted one into Ben Duckett, beating the left-hander's bat and crashing into off stump to claim his 564th wicket. As the record fell, television cameras cut to McGrath in the commentary box, where the fast-bowling great reacted with mock annoyance, pretending to hurl a chair before laughing it off — a moment that quickly went viral. Lyon's twin strikes left England reeling at 42 for three, following Pat Cummins' earlier breakthrough to dismiss Zak Crawley. Australia had earlier been bowled out for 371 after resuming on 326 for eight, with Jofra Archer finishing with a five-wicket haul. Mitchell Starc provided late resistance with a fluent half-century, before Archer wrapped up the tail. With his two wickets, Lyon moved into sixth place on the all-time Test wicket-takers list and became Australia's second-highest wicket-taker, now only behind the legendary Shane Warne, who finished his career with 708 wickets. At 38, Lyon is also the highest active wicket-taker in Test cricket and the fourth-most successful spinner overall, trailing only Muttiah Muralitharan, Warne and Anil Kumble.

Aaqib Nabi's 8.4 crore deal in IPL auction gives J&K cricket the hope it needs

NEW DELHI. (Agency)

After a three-week-long tussle between 32 teams, the Syed Mushtaq Ali Trophy (SMAT) 2025 has finally reached its culmination, with Haryana and Jharkhand set to face each other in the final on Wednesday, 18 December, at the Maharashtra Cricket Association Stadium in Pune. Both teams have dominated the tournament on their road to the final, sealing their places by finishing on top of their respective Super League groups. Ankit Kumar-led Haryana finished second in Group C with five wins from seven matches. Their two defeats came against Gujarat and



Puducherry. They then topped Super League Group A after registering victories over Hyderabad and Rajasthan.

On the other hand, Ishan Kishan-led Jharkhand finished at the top of Group D, winning all eight of their fixtures. They continued their strong form in Super League Group B, defeating Madhya Pradesh and Punjab, with their only loss coming against Andhra. The two teams are now all set to lock horns in the title clash, with all eyes on the coveted trophy. When to watch Haryana vs Jharkhand SMAT final live?

The Syed Mushtaq Ali Trophy final between Haryana and Jharkhand will begin at 4:30 PM IST. Where to watch the SMAT final live? Live streaming of the SMAT final will be available on the JioHotstar app.

Haryana vs Jharkhand: Players to watch out for Ankit Kumar — The 28-year-old is the highest run-scorer of the tournament, amassing 448 runs from ten innings at an average of 49.77 and a strike rate of 172.97, including five half-centuries. He will once again be key to Haryana's chances in the final.

Ishan Kishan — The Jharkhand captain is the second-highest run-scorer of the tournament with 416 runs from nine innings at an average of 52 and a strike rate of 195.30, featuring one century and two half-centuries.

Winning Test series in Australia harder than getting Olympic gold: Monty Panesar

Monty Panesar recently caught up with in to discuss what all has gone wrong for Ben Stokes and his men in the ongoing Ashes. He also touched upon his banter with Steve Smith and revealed why he feels winning in Australia is far more difficult than winning an Olympic Gold.

BRISBANE. (Agency)

England find themselves in a precarious position in the ongoing Ashes 2025–26, trailing 0–2 in the five-match series. The Ben Stokes-led side has its backs against the wall heading into the third Test in Adelaide, as another defeat would consign them to a third successive Ashes loss in Australia. The Three Lions arrived on Australian shores under the new leadership of captain Ben Stokes and head coach Brendon McCullum, aiming to end a 14-year winless run in the country. However, their aggressive batting approach has been found wanting on Australia's fast, bouncy pitches. Panesar recently spoke to India Today.in to discuss what has gone



wrong for Stokes and his men in the ongoing Ashes. He also reflected on England's famous 2010–11 Ashes triumph in Australia, which he experienced first-hand, and explained why he believes winning in Australia is harder than winning an Olympic gold medal. While England were successful in driving the ball on the up in home conditions, the lack of patience and overaggressive attitude has only resulted in easy wickets for the Australian bowlers, feels

Panesar. "I think what has gone wrong is the way England have played on fast, bouncy pitches. Playing on the up in those conditions makes it much more difficult. In England you can get away with it because the ball doesn't bounce as much, but adjusting from low bounce to high bounce is a lot harder. They could have also given themselves more of a chance as batters. They seem to come in and immediately go into fifth or sixth gear. At times, it feels more like a T20 game than a

Test match," Panesar told IndiaToday.in in an exclusive conversation. England have suffered dramatic collapses in the series so far. In Perth, they lost six wickets for 57 runs in first innings and six more for just 39 in the second one. In Brisbane, they slumped from strong positions to lose five wickets for 54 runs and another five for 38 in two innings respectively. Apart from their poor batting, fielding also hasn't helped England much in the ongoing series as they've shelled down several catches. As many as five catches were dropped by the England fielders during Australia's first innings in Brisbane, which allowed the hosts to post a monumental score of 511 and take a decisive 177-run lead. Can't afford to drop catches in Australia? "That makes it easier for the Australian bowlers, who can keep bowling that fifth- and sixth-stump line until a mistake comes. We've also seen some very poor collapses in Perth, and then again at Brisbane where they went from a strong position to losing wickets quickly. When you bowl against Australia, you cannot afford to drop catches. England have dropped chances, while Australia have taken some outstanding ones. That tells you a lot about where both teams are mentally," he said.

IPL auction: R Ashwin accused of leaking CSK picks, spinner has a funny response

NEW DELHI. (Agency)

Former India off-spinner R Ashwin dealt with social media trolls with the same ease with which he once outfoxed batters using his carrom ball, after a few users accused him of leaking Chennai Super Kings' auction picks before their names came up for bidding at the mini-auction on Tuesday, December 16. After expressing disbelief at how easily some on social media fell for false claims circulated about him, Ashwin responded to a troll with a meme, adding that a few people seemed focused only on spreading venom. A social media user shared screengrabs of Ashwin's predictions related to CSK, alleging that they were posted minutes before the Super Kings purchased the players at the auction, thereby giving other franchises a heads-up and an opportunity to inflate prices.

Ashwin had predicted that Chennai Super Kings would buy Prashant Veer and Kartik Sharma minutes before their names came up for bidding. Eventually, CSK secured both uncapped players, paying a record Rs 14.2 crore each. "The Orange Army had



Muralitharan, Vettori, analysts and scouts sitting at the table and yet showed faith in my tweets," Ashwin replied.

Ashwin, who has often called for better and more constructive fan discourse around cricket in the country, was actively following — and shaping — conversations in the lead-up to the IPL auction. From

discussing uncapped Indian players to conducting a mock auction featuring cricket enthusiasts, Ashwin led the build-up through multiple shows on his YouTube channel. The off-spinner has remained active on social media, regularly releasing content on YouTube and engaging with fans on X. Ashwin retired from international cricket midway through last year's Border-Gavaskar Trophy, a five-Test series between India and Australia.

Ashwin returned to Chennai Super Kings for IPL 2025 after an 11-year gap. Bought for Rs 9.75 crore, his comeback to the franchise was met with considerable anticipation. However, the season did not pan out as expected, as the off-spinner managed just seven wickets in nine matches while conceding 9.12 runs per over. While speculation around Ashwin's future gathered pace ahead of the retention deadline, he announced his retirement from the IPL as early as August, a decision that surprised many. Ashwin brought the curtain down on a memorable IPL career in which he claimed 187 wickets in 221 matches.

Pat Cummins scalps Joe Root again: Australia skipper goes past Bumrah in key battle

New Delhi. (Agency)

Australia captain and fast-bowling spearhead Pat Cummins once again got the better of England's batting mainstay Joe Root during day two of the third Ashes Test at the Adelaide Oval, extending a rivalry that has defined several recent contests between the two sides. Cummins, one of the leading quicks of his generation, dismissed Root, England's all-time leading Test run-scorer, for a record 12th time in Test cricket, moving clear of India's Jasprit Bumrah in the process. England's reply to Australia's first-innings total of 371 got off to a shaky start as the hosts' bowlers made immediate inroads. Zak Crawley fell early for 9, while Ben Duckett's promising stay ended



on 29 as Australia tightened their grip in the opening session. With early wickets down, England once again turned to Root to anchor the innings. However, his stay was brief. Cummins produced a disciplined spell and drew Root into a mistake, dismissing him for 19 off 31 deliveries right after lunch on Day 2. The wicket carried added significance, as it marked the 12th occasion Cummins has removed Root in Tests, surpassing Bumrah's tally of 11 dismissals of the England batter. Australia set England a stiff challenge after posting 371 in the first innings, using early movement and disciplined bowling to strike quickly. England lost momentum inside the opening session, and Root's dismissal left them chasing the game early on day two.

Australia maintained the pressure after Root's departure. Nathan Lyon struck twice in the same over to remove Ollie Pope for 3, deepening England's troubles. Harry Brook offered resistance and looked comfortable during his innings, but Cameron Green eventually broke through, dismissing him for 45. By the 36th over, England had slumped to 126 for five, firmly on the back foot. Cummins' influence was all the more notable given his return for the Adelaide Test.

Ecuadorian police say soccer player Mario Pineida has been shot dead in an apparent attack

QUITO . (Agency)

Ecuadorian police said on Wednesday that Mario Pineida, a 33-year-old Barcelona de Guayaquil defender, was shot dead in an apparent attack as violence escalates in the Andean nation. Another person who police did not identify was also killed in the incident, and a third was wounded.

Ecuador's Interior Ministry confirmed Pineida's death without providing details. Barcelona de Guayaquil said in a statement its fans are saddened by Pineida's death.

Pineida started his professional career at Independiente del Valle, where he played from 2010 to 2015. He then moved to the club of the coastal city of Guayaquil in 2016 and won two league titles there. The defender also had a brief spell at Brazil's Fluminense in 2022. Ecuadorian media reported the incident took place in the region of Samanes in the north end of Guayaquil, which lies 265 kilometers (165 miles) southwest of the capital Quito. Ecuador is expected to have its most violent



year on record with more than 9,000 homicides, according to the Ecuadorian Observatory of Organized Crime. That figure was at 7,063 violent deaths last year and a then-record 8,248 in 2023.

President Daniel Noboa has pledged to fight criminal organizations that have expanded their operations in Ecuadorian territory in

connection with international drug cartels. In November, a 16-year-old footballer of Independiente del Valle died from a stray bullet, also in Guayaquil. Two months earlier, Maicol Valencia and Leandro Yépez, both players of Exapromo Costa, and Jonathan González, of 22 de Junio died from gunshot wounds.

Joe Burns axed from Italy's maiden T20 World Cup after internal dispute: Report

Joe Burns' shock omission from Italy's T20 World Cup 2026 squad has sparked controversy, with the former captain claiming he was pushed out after challenging cricket standards and off-field processes.

NEW DELHI. (Agency)

Former Australian Test opener Joe Burns, who played a leading role in the rise of Italian cricket, was sensationally dropped from the side ahead of their maiden campaign at the T20 World Cup 2026, which left people wondering why such a drastic call was made.

Burns, who has played 23 Tests for Australia, has become the face of Italian cricket with his leadership playing a vital role in their run to the T20 World Cup 2026, which will be held in India and Sri Lanka. On Wednesday, December 17, the Italian Cricket Federation confirmed that Burns would not be a part of their maiden World Cup campaign, and the leadership duties had been passed down to Wayne Masden instead. In the cricket board's announcement, it was attributed that Burns' availability and contract had not been finalised, resulting in him being dropped from the side. But the situation might be more complex than it may seem. According to a report by The West Australian, an anonymous source revealed the internal talks, which suggested that Burns was pushing to improve his standards, especially off the field. But that was met with a negative response. "In my experience, we needed to address systems, processes, communication and integrity behind the scenes to give us the best chance on the field," Burns wrote to his teammates earlier last month. "Advocacy can be tough, but that's the weight of

responsibility," he added. "Their response was that my standards were above the



standards of Italian cricket." "Since then, a lot of inaccurate and disparaging information has been circulated about me, and used as an excuse for poor operations. "The reality of events has been misrepresented and, as a result, many have been misinformed — even if not intentionally. "Please know my intentions have always been to look after you boys like brothers and to help us become the best team we can be." Burns had even addressed the contract

negotiations with the Italian board, where he also revealed that he had taken a pay cut to lead the side, as he believed that the leadership role should not be one for profit.

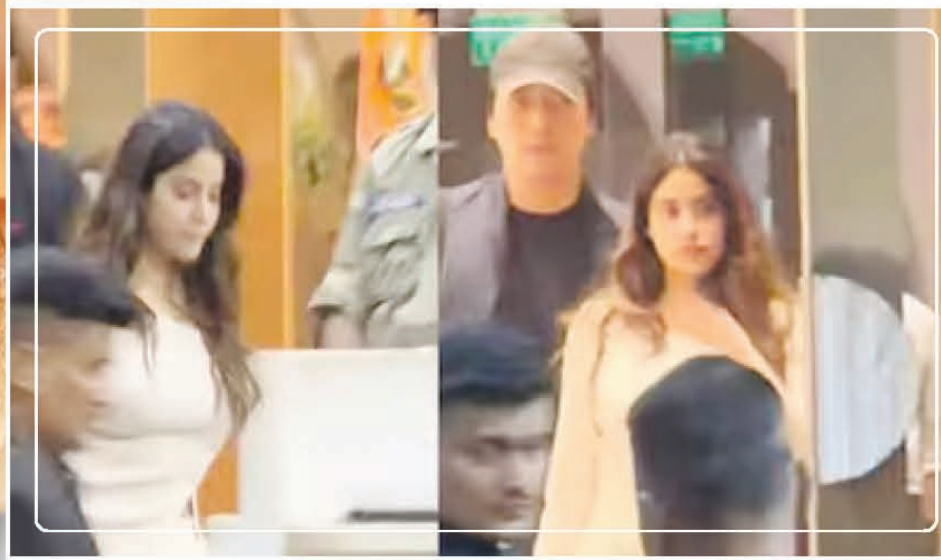
"Bizarrely, the Federation is now saying this is because I didn't agree to the WC (World Cup)/Nov proposal," Burns continued.

"To be clear, I accepted their proposal on three separate occasions, which was for less payment than pre-qualifying. "The WC component was to follow MOU terms. I had also previously declined a proposed captain's bonus because I didn't think that role should be profited from. "For months, I've wanted to focus on the cricket. I've got pages of notes on roles, strategy and training ideas that I was keen to get stuck into with you all, but the inefficiencies had gone on too long. "The Italian team will have a tough run at their maiden World Cup run, with the likes of England, West Indies, Bangladesh and Nepal also slotted in along with them in the group stages, and Burns' international experience could have given them a bit of an edge.



Janhvi Kapoor

Masters The Art Of Low-Key Travel And We Are Taking Notes



Skipping the usual flashbulbs and poses, Janhvi Kapoor made a low-key airport exit that still turned heads. Spotted exiting Mumbai airport on Tuesday, the actress kept things refreshingly low-key, choosing comfort and calm over cameras and poses. Janhvi avoided stopping for the paparazzi, but she didn't ignore them either. As the actress walked towards her car parked outside the terminal, she acknowledged the shutterbugs with a quick wave and a wide smile on her face. Dressed in an ivory top paired with relaxed, comfy trousers, Janhvi's travel look struck the perfect balance between chic and practical. The way she carried herself, she looked relaxed and at ease, moving swiftly through the terminal.

Janhvi Kapoor is also in the news for a professional high. Her film *Homebound*, directed by Neeraj Ghaywan, has been shortlisted for the 98th Academy Awards in the Best International Feature Film category. Starring Ishaan Khatter, Vishal Jethwa and Janhvi Kapoor, *The Academy of Motion Picture Arts and Sciences* announced the shortlists across 12 categories on Tuesday. In the International Feature Film category, 15 films from around the world have been selected for the next stage. Alongside *Homebound*, the shortlisted titles include Argentina's *Belén*, Brazil's *The Secret Agent*, France's *It Was Just*

an Accident, Germany's *Sound of Falling*, Iraq's *The President's Cake*, Japan's *Kokuho*, Jordan's *All That's Left of You*, Norway's *Sentimental Value*, Palestine's *Palatine 36*, South Korea's *No Other Choice*, Spain's *Sirát*, Switzerland's *Late Shift*, Taiwan's *Left-Handed Girl*, and Tunisia's *The Voice of Hind Rajab*.

Dharma Movies Celebrate *Homebound's* Achievement

The news of *Homebound* moving a step closer to a potential Oscars 2026 nomination was shared by Dharma Movies on its official social media handle. Sharing the film's poster, the production house wrote, "*Homebound* has been shortlisted for Best International Feature Film at the 98th Academy Awards. We're deeply grateful for the extraordinary love and support we've received from around the world."

Homebound On Netflix

Homebound, which premiered on Netflix on November 21, has been steadily collecting accolades across international film festivals. The film is produced by Karan Johar, Adar Poonawalla, Apoorva Mehta, and Somen Mishra with Marijke deSouza and Melita Toscan Du Plantier as co-producers. Martin Scorsese and Pravin Khairnar serve as Executive Producers, adding global weight to the project.

Telugu Actress Nivetha Thomas Angry Over Her Viral AI Photos: 'Unacceptable And Unlawful'



Telugu Actress Nivetha Thomas has expressed disappointment over her viral AI-generated photos. On Wednesday, the actress shared a long note on her X handle and called the circulation of photos "unlawful and unacceptable". She urged everyone to stop sharing those photos and warned of legal action.

"It has come to my attention that AI-generated images misusing my identity and a recent photograph I shared on my social media are being circulated online. The creation and circulation of such content without consent is deeply disturbing, unacceptable, and unlawful. It constitutes digital impersonation and a serious invasion of my privacy," Thomas wrote. "I am putting this on record. Those responsible, including accounts operating behind anonymity, are directed to immediately stop and take down such content. I urge others to recognise the harm in enabling this behaviour. Do not reshare, engage with, or legitimise such material in any form. Any continued circulation will be treated as deliberate misuse of my identity and escalated legally," the Darbar actress added.

Sreeleela Also Slams Misuse Of AI

Earlier today, Sreeleela, who will soon be seen in Nitesh Tiwari's *Ramayana*, also expressed concerns over the misuse of Artificial Intelligence (AI). She took to her Instagram account and penned a lengthy note urging everyone not to misuse AI. She explained that technology is to make human life easy, not to complicate it. "I put my hands together and request every social media user not to support AI-generated nonsense. There is a difference between using and abusing technology. Advancements in technology are meant to simplify life, not complicate it, in my opinion. Every girl out there is a daughter, granddaughter, sister, friend, or colleague, even if she chooses art as one of her professions. We wish to be part of an industry that spreads joy, with the confidence that we are in a protected environment," she wrote.

'Pichle Janam Main Yeh Star Hoga': Sunita Ahuja Talks About Peg Dog's Confidence



After spending weeks in the headlines due to ongoing controversies, Sunita Ahuja is back in the limelight for a refreshingly heartwarming reason. This time, it's not speculation or rumours that have caught attention, but a sweet moment showcasing her unconditional love.

In a recently surfaced video, Sunita Ahuja was spotted at the airport accompanied by the love of her life, her pet dog. The duo instantly grabbed attention as Sunita interacted cheerfully with the paparazzi while posing for cameras. What made the moment even more endearing was how her dog also appeared perfectly comfortable, looking straight into the cameras as if posing alongside her.

Sunita Ahuja's Funny Comment Goes Viral

As the paparazzi clicked pictures, Sunita couldn't help but joke about her pet's star-like confidence. Watching her dog stare into the cameras, she quipped, "Pichle janam me yeh star hoga", a comment that instantly won hearts online and added a playful touch to the moment.

Sunita Ahuja's Bigg Boss 19 Appearance and Bond with Salman Khan

Earlier, Sunita Ahuja had also made headlines for her appearance as a guest on *Bigg Boss 19*. Her warm and friendly rapport with host Salman Khan was widely appreciated by viewers. Following the episode, Sunita addressed questions about potentially working with Salman Khan during her latest YouTube vlog, further sparking curiosity among fans.

Sunita Ahuja Addresses Work Speculations in Her YouTube Vlog

In her vlog, Sunita candidly responded when asked about her future projects and whether she would consider collaborating with Salman Khan. Her openness and candid tone were praised by fans who enjoyed seeing a more personal side of her beyond headlines and rumours.

Sunita Ahuja and Govinda's Marriage: Separation Rumours Explained

Apart from her public appearances, Sunita Ahuja has also been in the news due to rumours surrounding her marriage with Bollywood actor Govinda. Reports in 2025 suggested that Sunita had filed for divorce in late 2024, citing reasons such as adultery, cruelty, and desertion.

'The Awful Producers Didn't...'

Radhika Apte

Wants To Forget First Film *Vaah! Life Ho Toh Aisi!*

Radhika Apte has been in the industry for 2 decades now, and the actress has always proven her versatility through the different types of roles that she has done. Now, as she completes 20 years in the industry, Radhika wants to forget her first film *Vaah! Life Ho Toh Aisi!*, which also starred Shahid Kapoor, Sanjay Dutt, Amrita Rao, and Arshad Warsi, among others.



In a recent interaction with *India Express*, the actress spoke about how she had an awful experience during her first film and blamed the producer Sangeetha Ahir for the disappointing start to her career. "The awful producers didn't put me up, didn't pay me. When my mother and I asked them to sign a contract, they said, 'Arey, even Urmila Matondkar didn't sign a contract. I don't know if she signed or not,' but they

treated us horribly. Mahesh Manjrekar was a great guy. That's why I like to forget my film because the production was awful! And I say it out loud," Radhika shared.

The actress, who played a supporting role in the film, further continued, and while sharing how she landed the role, said, "I was doing a play called *Brain Surgeon*. It was a good play. We won an award in a state competition. Mahesh Manjrekar was one of the judges. He called me after the play and said, 'I want to cast you.'"

Continuing on why she doesn't count *Vaah! Life Ho Toh Aisi!* as her first film, she said, "Then I didn't do a film for a long time. I finished college, and then I went back to films after a long time. So, I don't really count that as one of the films I did. But yeah, it's been two decades."

Radhika Apte's Upcoming Project

The actor is currently seen in *Saali Mohabbat*, a psychological thriller that premiered on ZEE5 on

December 12, 2025. Directed by Tisca Chopra, the film marks the filmmaker's entry into feature direction and has already received acclaim at prominent festivals, including the International Film Festival of India (IFFI) and the Chicago South Asian Film Festival. With its moody, atmospheric tone, *Saali Mohabbat* is being positioned as one of Apte's most compelling performances in recent years.

